जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, गुरुवार 2 दिसम्बर, 2021

पिछले 15 वर्षों से गीतांजली हॉस्पिटल आपके स्वास्थ्य का साथी

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, उदयपुर | गीतांजली कैंसर सेंटर उदयपुर

NABH ACCREDITED · GMCH GEETANJALI HOSPITAL HEALTH IS HAPPINESS

विश्वस्तरीय एडवांस टेक्नोलोजी उचित दरों में आपके द्वार

PET-CT SCAN

Discovery IQ Gen 2
3 Ring

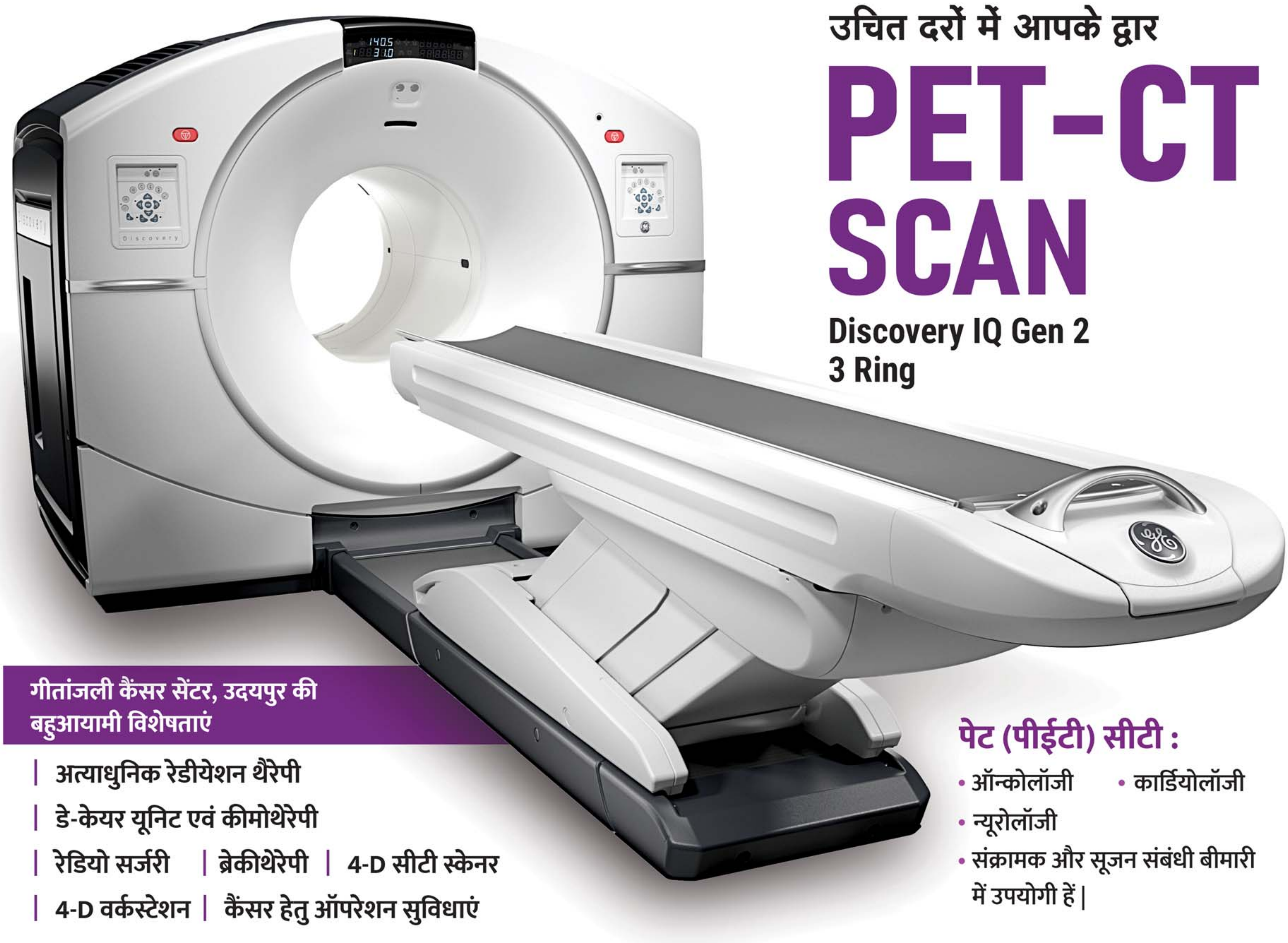

गीतांजली कैंसर सेंटर, उदयपुर की बहुआयामी विशेषताएं

| अत्याधुनिक रेडीयेशन थैरेपी
| डे-केयर यूनिट एवं कीमोथेरेपी
| रेडियो सर्जरी | ब्रेकीथेरेपी | 4-D सीटी स्कैनर
| 4-D वर्कस्टेशन | कैंसर हेतु ऑपरेशन सुविधाएं

पेट (पीईटी) सीटी :

- ऑन्कोलॉजी
- कार्डियोलॉजी
- न्यूरोलॉजी
- संक्रामक और सूजन संबंधी बीमारी में उपयोगी हैं।

रेडियेशन ऑन्कोलोजिस्ट	मेडिकल ऑन्कोलोजिस्ट	सर्जिकल ऑन्कोलोजिस्ट	क्लीनिकल हेमेटोलोजिस्ट	न्यूक्लियर मेडिसिन	ऑन्को एनेस्थेटिस्ट एवं पेन एंड पैलिएटिव केयर
डॉ. ए.आर. गुप्ता डॉ. रमेश पुरोहित डॉ. किरण चिगुरूपल्ली	डॉ. अंकित अग्रवाल डॉ. रेणु मिश्रा	डॉ. आशीष जाखेटिया डॉ. अरूण पांडेय	डॉ. प्रतिभा धीमान	डॉ. नीतिश राज	डॉ. सीमा परतानी डॉ. नवीन पाटीदार

अब तक के लाभार्थी

43,373+	4,018+	2,43,000+	1050+	290+
कीमोथेरेपी	सर्जरी	रेडियोथेरेपी	ब्रेकिथेरेपी	रेडियोसर्जरी

ट्यूमर बोर्ड / TUMOR BOARD

इस बोर्ड के अन्तर्गत कैंसर की चारों शाखाएं प्रत्येक कैंसर ट्यूमर का समन्वित एवं योजनाबद्ध तरीके से उपचार को सुनिश्चित करती है।

Linear Accelerator Elekta Vera HD

SRS, SBRT, IGRT, VMAT, IMRT, 3D CRT

I AM AND I WILL · World Cancer Day

Say No to Cancer KNOW NOW

THE BEST PROTECTION IS EARLY DETECTION

• मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (MMCSBY) • राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS) • भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS) • कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) • उत्तर पश्चिमी रेलवे (NWR) • हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) • स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (SBI) • भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) • भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) • राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (RSMM) • भारतीय खाद्य निगम (FCI) • सभी महत्वपूर्ण टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत है।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल | नेशनल हाईवे-8 बायपास, एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.) | +91 77420 10111 | 91161 51129 +91 294 250 0044

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

शासनतंत्र में प्रलोभनों से ही भ्रष्टाचार पनपता है

आज हर ओर एक ही शिकायत सुनने को मिलती है कि हमारी और हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ भ्रष्टाचार है जो व्यवस्था में खामी की वजह से है। सभी भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाली व्यवस्था को बदलने की बात तो करते हैं किन्तु यह कैसे हो इसका कोई सर्वसम्मत जवाब नहीं मिलता। व्यवस्था तंत्र का तो हर अंग दूसरे के पाले में गेंद सरका देता है। इस जटिल मुद्दे की विवेचना से पहले कुछ जरूरी सामयिक सवाल पूछ लेना उचित होगा। क्या सत्ता भ्रष्ट होती है, या भ्रष्ट लोग सत्ता की ओर खिंचे चले आते हैं? लोग गबन करते हैं, रिश्वत लेते हैं और पुलिस वाले जो बेकसूरों को फंसाते हैं और अपराधियों को भागने में मदद करते हैं क्या वे सब व्यवस्था के परिणाम हैं या वे सिर्फ बुरे लोग हैं? यदि किसी को अचानक सत्ता मिल जाये तो क्या वह अपनी जेब भरने या अपने दुश्मनों से बदला लेने के प्रलोभन से अपने आप को बचा पाने में सक्षम होगा? नेता के बारे में हमारी सबसे बुनियादी धारणा क्या है? जब कोई राजनेता शीर्ष पर पहुंचता है तब उसके दिमाग में क्या चल रहा होता है? इन सवालों के साथ एक सवाल यह भी उठता है कि ऐसा क्यों लगता है कि लोकतंत्र में लोग गलत कारणों से गलत लोगों को सत्ता सौंपने के लिए किसी न किसी तरह आकर्षित हो जाते हैं। क्या व्यवस्था व्यक्तिगत व्यवहार को दिशा देती है? ये वे सवाल हैं जिनसे हम अपनी आज की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझने का आधार बना सकते हैं। ये वे परिस्थितियां हैं जो लोकतान्त्रिक शासन में निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। निर्णय लेने की प्रक्रिया का निरंतर ऑडिटिंग एक अच्छे और सुचारु लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है वह क्यों नहीं होती? भारतीय संविधान ने यह काम विधायिका तथा न्यायपालिका के जिम्मे निर्धारित किया है, किन्तु यह व्यवस्था पूरी तरह असफल रही है। सरकार के फैसलों के पीछे की कहानियां कभी साफ–साफ सामने नहीं आ पाती हैं। .

यह साफ दिखता है कि सत्ता राजनेता को ऐसा महसूस कराती है कि जैसे वह सर्वशक्तिमान हो गया है। नेता में ऐसा भाव आ जाना उसके भ्रष्ट आचरण की ओर झुकने का पहला संकेत होता है। तो यूं भी कह सकते हैं कि सत्ता व्यक्ति को भ्रष्टाचार की ओर धकेलती है। शासन में भ्रष्टाचार की परिभाषा भी यही है कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा किया गया बेईमानी का व्यवहार। वास्तव में यह बेईमानी का व्यवहार इतना विस्तृत होता है कि जिसकी कल्पना तक सामान्य जन नहीं कर पाते। कोई भला व्यक्ति सत्ता की राजनीति में आ कर भ्रष्ट कैसे हो जाता है? कुछ लोग मानते हैं कि लोग अपने आप ही अचानक भ्रष्ट हो जाते हैं; दूसरों का मानना है कि लोग सत्ता से प्रभावित होकर शनैः शनैः भ्रष्ट होते हैं।

देश में सत्ता के साथ भ्रष्टाचार का मेल एक खतरनाक व्यवस्था बन गयी है। भ्रष्टाचार में डूबे लोग यह नहीं देख पाते कि क्या सही है और क्या गलत है और क्या अच्छा और क्या बुरा है क्योंकि वे अपने को ताकतवर समझने लगते हैं। सत्ता की ताकत का अर्थ है दूसरों को दबाना, दूसरों को नियंत्रित करना, दूसरों पर शासन करना, दूसरों को अपनी इच्छाओं के अनुसार चलाना। यह ताकत नेता को सुख देती है। इसलिए, जो नेता सत्ता की ताकत पाता है, वह अपने को और अधिक शक्तिशाली बनाना चाहता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि ऐसा करके वह अपनी ताकत के एहसास के आनंद को और बढ़ाना चाहता है। दूसरी तरफ सत्ता साधारण और भले लोगों को नैतिक रूप से भी नीचे गिराती है। हमने यहां तक देखा है कि संत और महात्मा भी अपनी सत्ता के भ्रष्ट प्रभाव से अछूते नहीं रह पाते हैं।

युवा सरकारी अधिकारी जो बदलाव लाने के जज्बे के साथ प्रशासन तंत्र में बड़े उत्साह के साथ आते हैं वे भी सत्ता में रहते हुए भ्रष्ट हो जाते हैं। ऐसा तब होता है जब वे अपने हाथ में वह ताकत पाते हैं जिससे वे प्रतिस्पर्धी बाज़ार में किसी को लाभ पहुंचाने की स्थिति में होते हैं। ऐसे में भले अधिकारी भी बेईमानी की राह पर चल पड़ते हैं। उनका भ्रष्ट आचरण उसी क्षण शुरू हो जाता है जब वे मामूली उपहार स्वीकार करना शुरू करते हैं। धीरे–धीरे वे महंगे उपहार स्वीकार करने लगते हैं। बाद में पक्षपात करने के बदले में रिश्वत की बड़ी बड़ी राशियां स्वीकार करने में भी उनको कोई हिचक नहीं लगती। इसमें वे राजनेताओं को भी अपने जैसा बनाने के जतन कर लेते हैं। राजस्थान में लगभग रोजाना ही रिश्वत लेते पकड़े जाने के मामले जिस प्रकार सामने आ रहे हैं वह प्रशासनिक तंत्र में गहरे पैठी हुई अनैतिकता और बेईमानी को ही दर्शाते हैं। इसमें अब तो राजनेता भी पकड़े जा रहे हैं। यह भी किसी से छुपा नहीं है कि चुनावी राजनीति में शामिल होने की लोगों की बढ़ती आकांक्षा के पीछे अपने और अपनों के लिए धन–संपत्ति बना लेने की कामना ही सर्वोपरि होती है। लोक हित की बातें अब सिर्फ ज़ुबान पर होती है, दिल और दिमाग से नहीं होती।

ईमानदार सामाजिक एवं राजनीतिक नेतृत्व ही लोगों में बेईमान सत्तावादी प्रवृत्तियों के खिलाफ ऐसा जज़्बा पैदा कर सकता है जो प्रलोभनों को नकार सके। आत्म संयमी बनने की कठिन राह पर चलना महात्मा गांधी ने सिखाया था वही भ्रष्ट सत्ता के पिशाच को मारने के लिए सबसे कारगर उपाय हो सकता है।

आधुनिक भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण मोड लाने वाले 'आपातकाल' के बाद सर्वोच्च न्यायालय के अवकाशप्राप्त मुख्य न्यायधीश जे. सी. शाह ने वर्ष 1978 में इस समस्या को स्पष्ट तौर पर हमारे सामने रखा था तथा इससे उबरने का रास्ता भी सुझाया था। लोगों को याद होगा कि न्यायमूर्ति शाह ने आपातकाल के दौरान शासन द्वारा हुई ज़्यादतियों, कदाचारों और गलत कामों की जांच की थी। उन्होंने अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा था–"... साक्ष्यों से पता चला है, बेईमानी और झूठ तो आपात स्थिति के दौरान एक सरकारी रवैया बन गया था।" तब से अब तक रेगिस्तान में न जाने कितने रेत के धोरे अपना स्थान बदल चुके हैं। किन्तु आज भी बेईमानी के सरकारी रवैये की परिस्थितियां ज्यों की त्यों बनी हुई है। वास्तव में हालात बद से बदतर ही हुए हैं। ऐसा होना रोका जा सकता था यदि उनके निराकरण के लिए जो अपेक्षा न्यायमूर्ति शाह ने अपनी रपट में की थी उस पर अमल होता और सच्चे मन से एक सशक्त लोकतंत्र बनाने का प्रयास होता। परंतु जैसा कि होता रहा है कि न्यायिक आयोगों की रिपोर्टें अलमारियों में पड़ी धूल खाती हैं और उन पर कोई ध्यान ही नहीं देता, शाह आयोग की रिपोर्ट के प्रति खोजना भी आज मुश्किल होगा।

अपनी रिपोर्ट में जस्टिस शाह ने कहा था:– "अगर हमें अपने देश के प्रशासन तंत्र को अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बनाना है तो प्रशासनिक सेवाओं को चाहिए कि वे ईमानदार व कार्यकुशल प्रशासन के आधारभूत आदर्शों के लिए दृढ़ता से काम करें और अपने को कसौटी पर खरा उतार कर दिखाएं। केवल यही वह तरीका है जिसके जरिये प्रशासन के प्रति जनता का खोया विश्वास फिर से पनप सकता है। अगर हमें भावी पीढ़ियों के लिए एक लोकतान्त्रिक उत्तरदायी परंपरा छोड़नी है तो हमें देश की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक योजनाओं में सत्य को उसका उचित स्थान फिर से देना होगा। इसमें असंभव कुछ भी नहीं। "न्यायमूर्ति शाह ने जब ये पंक्तिया आपातकाल की ज़्यादतियों पर अपनी रिपोर्ट में लिखी तब जैसी परिस्थितियां थी आज उससे भी भयानक परिस्थितियां हमारे सामने हैं। मगर जब ऊपर से नीचे तक झूठ और फरेब से ही काम सधते हों तब 'सत्य को उसका उचित स्थान' देने की बात करना भी बेमानी लगता है। आज तो लगता है हालात एकदम हाथ से ही निकल गए हैं क्योंकि प्रशासनिक सेवाओं के लोग लोक सरोकारों की तिलांजलि देते हुए जिस प्रकार सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति के प्रति वफादारी अब निभा रहे हैं वह अभूतपूर्व है। अब ऊपर से दबाव की जगह अफसरों की अपनी महत्वाकांक्षाएं भी उनके व्यवहार तय करने लगी हैं। जिस बड़ी संख्या में सेवानिवृत्ति के बाद प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों को सरकारी और अर्धसरकारी संस्थाओं में उनकी नियुक्तियां होती हैं उसके बुरे नतीजे सामने आने पर भी किसी को तकलीफ नहीं होती। अफसरों की चुनावी राजनीति की महत्वाकांक्षाएं भी सिर चढ़ी हुई हैं।

कोई भी निर्बाध सत्ता एक सच्चे लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं होती। उस पर सतत अंकुश बना रहना जरूरी है वरना उसके अधिनायकवाद में बदल जाने में समय नहीं लगता। भारतीय संविधान ने सत्ता पर नियंत्रण और संतुलन का प्रभावी इंतज़ाम किया है फिर भी सतर्क नागरिक ही सत्ता की ताकत के दुरुपयोग के खिलाफ एकमात्र सुरक्षा के उपाय हो सकते हैं। ताकतवर नेताओं, नौकरशाहों और अन्य के संदिग्ध कार्यों को बेनकाब करने में मीडिया के लोग अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं बशर्ते कि वह खुद उनसे गठबंधन न कर बैठे। एक मजबूत न्यायपालिका भी सत्ता के दुरूपयोग पर लगाम लगा सकती है जिसकी संविधान ने व्यवस्था कर रखी है। किन्तु ये सारी व्यवस्थाएं धरी रह जाती है जब लालच सिर पर चढ़ जाता है। सतर्क नागरिक अपने आप तैयार नहीं हो सकते। उसके लिए भी शिक्षण की जरूरत होती है। किन्तु हमारी शिक्षा प्रणाली इस काम के लिए तैयार नहीं है। ईमानदार सामाजिक एवं राजनीतिक नेतृत्व ही लोगों में बेईमान सत्तावादी प्रवृत्तियों के खिलाफ ऐसा जज़्बा पैदा कर सकता है जो प्रलोभनों को नकार सके। आत्म संयमी बनने की कठिन राह पर चलना महात्मा गांधी ने सिखाया था वही भ्रष्ट सत्ता के पिशाच को मारने के लिए सबसे कारगर उपाय हो सकता है।

–अतिथि संपादक
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजस्थानी काव्य में गांधीजी : "दुनिया गांधी न समझैली, आ धरा सरग ज्यूं बणजासी"

यद्यपि अजमेर और ब्यावर के अतिरिक्त राजस्थान के किसी भी भाग में महात्मा गांधी (1869–1948 ई.) का पदार्पण नहीं हुआ किन्तु देश के अन्य भागों की भांति तत्कालीन राजपूताने की देशी रियासतों का जन जीवन भी उनके क्रियाकलापों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका। यहां के निवासियों पर समय–समय पर शोषण व अन्याय के विरूद्ध किये गये आंदोलनों में गांधीजी का नैतिक समर्थन और मार्ग दर्शन बराबर मिलता रहा। अनेक राजस्थानी साहित्यकारों ने भी अपने काव्य के माध्यम से गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राजस्थान के वीरों ने तोप, तलवारों और बंदूकों से शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी किन्तु गांधी एक अहिंसा हथियार से ही महान् योद्धा सिद्ध हुए। श्री सांवल दान आसिया के शब्दों में:–

"बिन तोपां, बंदूकां, बिन तरवारा, बिन तीर।
एक अहिंसा हूत हूं, बणियों गांधी वीर।।"

घर में दीवार पर देवी–देवताओं के साथ गांधीजी का भी चित्र लगा हुआ है। बालक अपनी मां से पूछता है क्या यह भी कोई देवता है? बीकानेर के स्व. श्री गिरधारी सिंह पड़िहार के शब्दों में मां बच्चे को समझाती है:–

ओ बीज नाख रमम्यो बाबो, धन बरसैला ऊंचो आसी,
दुनियां गांधी न समझेली, आ धरा सरग ज्यू बणजासी।
तू भोलो टाबरियो छोटो, जद मोटो होसी भाव भर्‌यो।
समझैलो गांधी बाबा न, ओ कियां जियो ओ कियां मर्‌यो।।

अर्थात् यह उस गांधी बाबा का चित्र है जो बीज (आजादी) की बुवाई कर अंतर्ध्यान हो गया। ज्यों–ज्यों इस बीज का पौधा प्रस्फुटित होकर बड़ा होगा और फल देगा तब धन–धान्य की वर्षा होगी। जब यह विश्व गांधी को समझने लगेगा तब यह पृथ्वी स्वर्ग बन जायेगी। मेरे

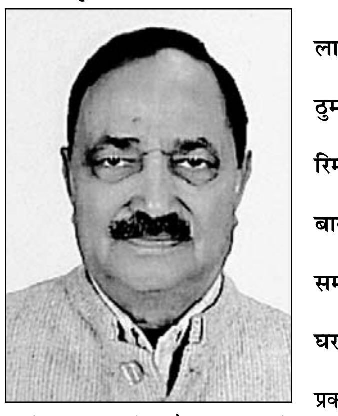

बच्चे। अभी तूं छोटा है, जब बड़ा हो जायेगा तब तेरे समझ में आयेगा कि उसने किस प्रकार से अपना जीवन व्यतीत किया और किस प्रकार से स्वर्ग को सिधान गया।

श्री लल्लू प्रसाद 'सुमन' ने गांधीजी की ज्ञानी और दानी की परिभाषा व्यक्त करते हुए लिखा है–

"या है गांधी जी की बाणी रे,
ऊंच नीच का बंधन तोड़े सोही ज्ञानी रे।
हरिजणां न गलै लगावे, बोले मीठा बोल,
मिनख मिनख न भाई मानें, मन की घुंड़ी खोल,
सोही सांचो दानी रे, या है गांधी जी की बाणी रे।।"

जहां कही भी बापू जाते, अपार जन समूह उनका हृदय से स्वागत करता और वातावरण सुखमय हो जाता। कविराज मेघराज मुकुल के काव्य का रसास्वादन कीजिये –

"तारा झुक झुक झांरवण लाग्या, चांदडलो मुसकायो।
पवन झकोरो बांध घुंधरू, ठुम्मक ठुम्मक आयो।।
बादलियो बूंदा कँ सुरमें, रिमझिम गीत सुनायो।
आज देश री धरती जागी, गांधी बाबो आयो।।
आजादी री लड़ी लड़ाई सात समंदर हाल्या।
गोरा बिस्तर बांध बापडा, पाछा घर न चाल्या"।।

राजस्थानी के सुप्रसिद्ध कवि बुद्धि प्रकाश पारीक ने लिखा है कि बापू सजग और सुदृढ़ थे तथा सत्य में सबसे आगे थे –

"ज्यूं काली कॉमल पर, कोई रंग न लागे,
ज्यूं सामंत मरजाय, न रण सूं ओठो भागे।
ज्यू जग के सोयां, रात भर जोगी जागे,
त्यूं बापू छा सजग, सुदृढ़ सत मं सब आगे"।।

गांधीजी के साथ माता कस्तूरबा के त्याग का महत्व भी कम नहीं है। वह पतिव्रत रूपी पतवार लिए हुए बापू की

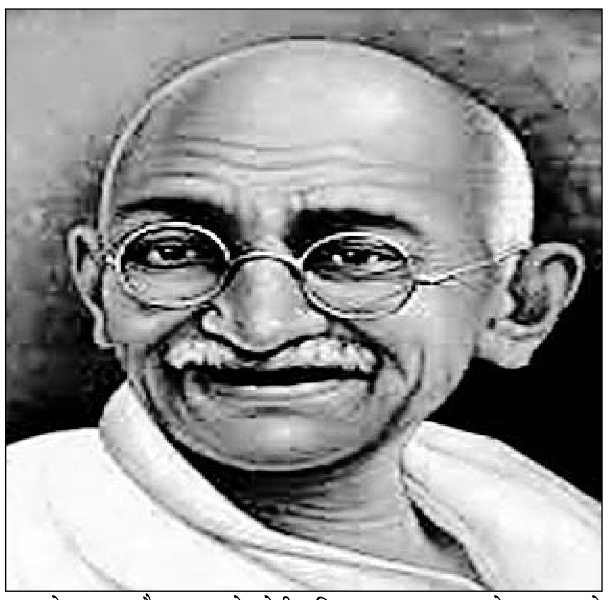

छाया के समान सदैव अपना योग देती रही। श्रीमती मधुमति प्रभूणे ने राष्ट्रमाता 'बा' को श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए लिखा है–

"करड़ी री कस्तूरबा साजन रो सत पेख।
छाया जिम छाई रही, गांधी गौरव मेख।।
रामलार सीता रही, रुक्मण किरसन लार।
बापू लारे 'बा' रही, पतिव्रत री पतवार।।"

कविवार मोहर सिंह राठौड़ ने लिखा है कि बापू के निधन के बाद उनका गुणगान तो बहुत हुआ है किन्तु उनके गुणों का अनुसरण नहीं किया गया। इस प्रकार के आचरण से कैसे निर्वाह होगा? गांधीवाद की आड़ लेकर जो जानबूझकर अत्याचार करते हैं। उन्हें गांधीजी का नाम लेने का अधिकार नहीं है।

"गांधी गुण गाया धणा, पण धार्‌या न एक।
सोचो हिरदे हाथ रख, कींकर रहसी टेक।।
गांधीवाद री ओट से, जुलम करे जानेह।
नाम लेणरो हक नहीं, गांधी रो बानेह।।"

– देवी सिंह नरूका,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

ममता से मुक्ति या ममता में मुक्ति

शारीरिक स्वायत्तता (ऑटोनोमी) की रक्षा करना, अपना अस्तित्व बनाये रखने के लिए आवश्यक है। इसकी सुरक्षा के लिए स्वतः विकसित रक्षा संस्थान जीन (आनुवांशिक गुण सूत्र) आधारित होता है। यह रक्षा संस्थान स्वायत्तता के लिए शरीर की जीन संरचना को पहचानता है, उसे आत्मसात करता है। किन्हीं दो व्यक्तियों की जीन संरचना एक जैसी नहीं होती, सिवा युनिओव्यूलर (एक ही ओवम – स्त्री बीज – से विकसित) जुड़वां बच्चों के। शरीर का रक्षा संस्थान इसे पहचानता है और इसकी रक्षा करने को प्रतिबद्ध, अपना प्रतिरक्षा संस्थान विकसित करता है। स्वयं की जीन संरचना से इतर अन्य कोई भी जीन संरचना के तत्व को प्रतिरक्षा संस्थान शरीर में प्रवेश नहीं करने देता। और अगर किसी तरह प्रवेश कर भी जाए तो उन्हें नष्ट कर बाहर फेंक देता है। इस प्रतिरक्षा प्रक्रिया को इम्यूनिटी कहते हैं।

अगर किसी के शरीर में उसके जीन से इतर जीन का प्रवेश करवाना हो तो पहले उसके प्रतिरक्षा संस्थान को मनाना होता है, उसका शमन करना होता है, उसे प्रभावित कर अपने पक्ष में करना होता है। यह प्रकृति का शाश्वत नियम है। भ्रूण के आधे गुणसूत्र पिता से आते हैं। ये विषम गुणसूत्र माता के रक्षा संस्थान को सहज स्वीकार नहीं होते। आवश्यक है कि भ्रूण के आगमन से पहले माता के रक्षा संस्थान को इनके प्रति जागरूक, संवेदनशील और अनुकूल बनाया जाय।

प्रजनन में भ्रूण के पितृ जीन के प्रति मातृ रक्षा संस्थान की संवेदनशीलता इसी के अनुरूप सहज समागम से विकसित होती है, सहज सहवास और समागम से। महिला गर्भवती हुई। गर्भ की पहली और दूसरी तिमाही तक सब

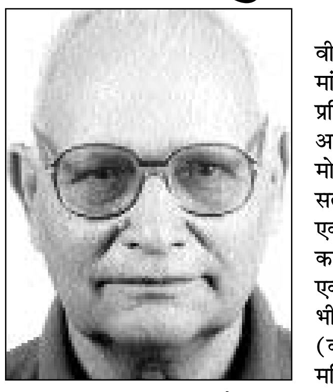

सामान्य चला। तीसरी तिमाही में महिला को सर दर्द रहने लगा। पेट के ऊपरी भाग में तेज दर्द भी। दिखाया। रक्तचाप बढ़ा हुआ था। मूत्र परीक्षण पर प्रोटीन्यूरिया पाया गया। टखने, पानी जमा होने से फूल गये थे। इसे प्री–एक्लेम्पसिया कहते हैं। यह 10 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं में होता है। इसमें महिला का प्रतिरक्षा संस्थान गर्भस्थ शिशु के जीन्स के प्रति सर्वथा संवेदनशील नहीं हो पाया है। फलस्वरूप, मां का रक्षा संस्थान शिशु के विकास में बाधा डालता है, मस्तिष्क विकास को प्रभावित करता है, समय पूर्व प्रसव को प्रेरित करता है। उधर शिशु के विषम जीन तत्वों की प्रतिक्रिया में मां की रक्तवाहनियां क्षतिग्रस्त होती हैं, जिससे उसके गुर्दे और लिवर क्षतिग्रस्त होते हैं। अधिकांश महिलाओं में प्री–एक्लेम्पसिया के रक्तचाप पर काबू कर सफल प्रसव संभव होता है। लेकिन कुछ में मां का रक्षा संस्थान बेकाबू और उग्र हो जाता है। लिवर की गंभीर क्षति से घातक स्थिति बन जाती है या प्री–एक्लेम्पसिया पूर्ण एक्लेम्पसिया का रूप ले लेता है, जिसमें घातक तांण आते है। और इन सब का प्रमुख कारण होता है मां का असहिष्णु रक्षा संस्थान।

अनुसंधान से उजागर हुआ है कि वीर्य में 93 ऐसे तत्व चिन्हित हुए हैं जो मां के रक्षा संस्थान को पितृ जीन्स के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। योनि से अवशोषित हो कर ये तत्व इम्यून मोड्यूलेशन का कार्य करते हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। यह पाया गया है कि एक ही पुरुष से दीर्घ कालिक समागम करने वाली महिलाओं में प्री–एक्लेम्पसिया बहुत कम में होता हैं। यह भी पाया गया कि नियमित निरोध (कंडोम) युक्त समागम करने वाली महिलाओं में यह अधिक होता है। अनुसंधान से पाया गया है कि बच्चे के विषम जीन्स के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में बिना कंडोम के सामान्य समागम की महत्वपूर्ण भूमिका है। जैविक प्रयोग पर इसकी पुष्टि हुई है। जिन महिलाओं में बार बार स्वतः गर्भपात या प्री–एक्लेम्पसिया होता है उन्हे 'टी जी एफ–बीटा' नामक वीर्य में चिन्हित इम्यून मोड्यूलेटर फेक्टर देने से लाभ होता है। जिन पुरुषों के वीर्य में इस फेक्टर की कमी होती है उनसे गर्भ धारण करने वाली महिलाओं में गर्भ क्षरण या प्री–एक्लेम्पसिया अधिक होता है।

स्त्रीत्व की चरमावस्था, चरमोत्कर्ष मातृत्व होता है। यह प्रकृति नियत है; सनातन, सार्वभौम, शाश्वत। मातृत्व में ही स्त्री की मुक्ति है। और बिना स्व को त्यागे मुक्ति नहीं मिलती। आज जनसंख्या नियंत्रण के लिये चल रहे व्यापक मातृत्व से मुक्ति अभियान ने असहज स्थिति उत्पन्न कर दी है। प्रकृति नियत मातृत्व में मुक्ति और समाज नियत मातृत्व से मुक्ति के बीच समन्वय ही आज की स्त्री का जीवन संकट है, त्रासदी भी।

– डॉ. श्रीगोपाल काबरा
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

जर्जर भवन में पढ़ने को मजबूर बच्चे, कभी भी हो सकती है बड़ी अनहोनी

क्षतिग्रस्त विद्यालय भवन एवं बाहर बेठे शिक्षक एवं अध्ययनरत विद्यार्थी।

चाकसू, (निसं)। सरकारी बजट में भी शिक्षा के नाम पर काफी खर्च करने की बात कही जाती है लेकिन इन सबके बावजूद राजस्थान में शिक्षा का स्तर सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। जयपुर जिले कि चाकसू उपखंड के ग्राम बड़ली का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन जर्जर हालत में है, जिसके कारण वहां के बच्चे भय के माहौल में पढ़ ने को मजबूर हैं लेकिन प्रशासन को इसकी परवाह नहीं है।

ये स्कूल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। जर्जर हो चुके स्कूल की बिल्डिंग में कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। विद्यालय भवन की हालत को देखकर प्रधानाचार्य को भी सर्दी के मौसम में भी बच्चों को खुले में बैठाकर पढ़ाने के निर्देश अध्यापकों को देना पड़ रहा है। विद्यालय के 178 बच्चे किस तरह पढ़ ते होंगे, इसका अंदाज इस भवन की हालत देखकर लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी छत और फर्श की दीवारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बच्चे जब इस क्षतिग्रस्त भवन के कमरों में बैठकर अध्ययन करते हैं तो घर में बैठे उनके माता–पिता को उनकी चिंता रहती है।

विद्यालय पीटीआई रामजीवन ने बताया कि शिक्षा के मंदिर की हालत बेहद खराब हो गई है कक्षा कक्षों में इस हालत में शिक्षण कार्य करवाना संभव नहीं है इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से मजबूरन बच्चों को खुले में बिठाकर पढ़ाया जा रहा है।

शिकायत करने पर भी प्रशासन कर रहा नजरअंदाज : लगभग 60 – 70 साल पुरानी यह बिल्डिंग आज अपना वजूद खो रही है। इस बारे में जब स्कूल के प्रधानाचार्य रामकिशोर बैरवा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसकी लिखित शिकायत कई बार ब्लॉक शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में दी जा चुकी है। लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लिखित शिकायत में बिल्डिंग को ध्वस्त करने की मांग की गई है लेकिन अब तक बिल्डिंग इसी जर्जर हालात में खड़ी है। वहीं सीबीईओ हनुमान सहाय मीणा ने बताया कि जर्जर स्कूल के भवन के बारे में जानकारी मिली है। फिलहाल उसकी जांच के लिए बीओ को निर्देशित किया है एवं रिपोर्ट पर भवन की हालत को देखते हुए मरम्मत या नए भवन के निर्माण की मांग का प्रस्ताव बनाकर स्वीकृति के लिए विभाग को भेजा जाएगा।

विद्यापीठ का देश में 39वां एवं राजस्थान में द्वितीय स्थान

उदयपुर,(कासं)। द इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क. आईआईआरएफ की ओर से 2021 में देश के सरकारी व पब्लिक विश्वविद्यालयों की इम्पैक्ट रैंकिंग में जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि को देश में 39वां स्थान राजस्थान में द्वितीय व उदयपुर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। आईआईआरएफ की ओर से जारी इस वर्ष की इम्पैक्ट रैंकिंग में 1000० से अधिक संस्थानों को विभिन्न श्रेणियों में रैंक दिया गया। कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि संस्थापक जनुभाई द्वारा 1937 में स्थापित इस संस्था ने कई नये कीर्तिमान स्थापित किया है। हम सभी का सपना है कि इस संस्था को विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान दिलाने की है जिसके लिए सभी कार्यकर्ता इस ओर अग्रसर है। वंचित व आदिवासी वर्ग को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए स्थापित इस संस्था ने वंचित वर्ग को सुलभ चिकित्सा सुविधा मिले इस ओर भी अपने प्रयास तेज कर दिए है और अतिशीघ्र डबोक परिसर में 13 करोड़ की लागत से बने 120 बेड वाले हॉस्पिटल का आगामी दिनों में शुभारंभ करने जा रही है जिससे डबोक क्षेत्र के आसपास के आमजन को इसका लाभ मिलेगा। इसमें केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ आमजन को मिलेगा। यूनी रैंक द्वारा कराये गये सर्वे में भी विद्यापीठ ने प्रदेश में सातवाँ व उदयपुर में पहला स्थान प्राप्त किया है। संस्था को नेक ने भी ए ग्रेड से नवाजा है। यह सब समर्पित व निष्ठावान कार्यकर्ताओं की ही बदौलत हो पाया है। रजिस्ट्रार डॉण् हेमशंकर दाधीच ने कहा कि विद्यापीठ की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान के श्रमजीवी और वंचित वर्ग को समुचित शिक्षा प्रदान करना है। कार्य के नोडल अधिकारी डॉ. चन्द्रेश कुमार छतलानी ने बताया कि उक्त रैंकिंग मुख्यतः तीन विशेष मापदंडों पर आधारित है जिसमें विवि के कार्यों का समाज पर प्रभावए विभिन्न हितधारकों के कल्याण तथा उच्च शिक्षा के पैमाने पर संयुक्त राष्ट्र सतत विकास के 17 वें लक्ष्य पर उतरना शामिल है।

राशिफल

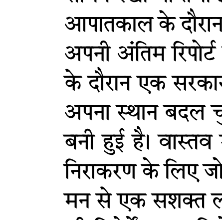

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 2 दिसम्बर, 2021

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2078, स्वाती नक्षत्र सायं 4:27 तक, स्वाती नक्षत्र सायं 4:59 तक, गर करण दिन 10:01 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–तुला, मंगल–तुला, बुध–वृश्चिक, गुरू–कुम्भ, शुक्र–धनु, शनि–मकर, राहु–वृष, केतु–वृश्चिक राशि में।

आज भद्रा रात्रि 3:27 से शुक्रवार प्रातः 6:41 तक है। आज प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:21 तक, चर 10:58 से 12:16 तक, लाभ–अमृत 12:16 से 2:52 तक, शुभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। मानसिक तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना बन सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
धार्मिक कार्य पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्य के लिए भागदौड़ रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 43 संख्याः127 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 2 दिस्बर, 2021 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 1.20 रू.

नवम्बर की एक सुबह 20,000 से ज्यादा वैस्टर्न मोनार्क तितलियां यूकलिप्टस की एक शाखा पर बैठी हुई थीं, ऐसा लग रहा था किसी ने वृक्ष को नारंगी रंग की लेस से सजा दिया है। हर साल इस प्रजाति की तितलियों की 30 प्रतिशत आबादी कैलिफोर्निया के पिस्मो बीच पर देखी जाती है। ये तितलियां मीलों लम्बा सफर तय करके यहां सर्दियाँ बिताने आती हैं। मात्र एक साल पहले ये खूबसूरत तितलियां मानो गायब ही हो गई थीं। गत वर्ष पिस्मो बीच पर दो सौ से कम तितलियां ही आईं, जो अब तक की सबसे कम संख्या है। समूचे कैलिफोर्निया तट पर 2000 से कम तितलियां गिनी गईं। लेकिन इस वर्ष वार्षिक गणना शुरु होने से पहले ऐसा लग रहा है कि, कैलिफोर्निया के तट पर इनकी संख्या में भारी वृद्धि देखाई देगी। तितलियों की संख्या हालांकि बढ़ी है, पर शोधकर्ताओं का मत है कि संख्या बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि, यह प्रजाति सुरक्षित है, अभी भी इनकी आबादी सामान्य से कम है। ज़रसीज़ सोसायटी एक संठन है जो परागणकर्ता कीटों और अन्य कीटों के संरक्षण के लिए काम करता है, इसकी कंज़र्वेशन जीववैज्ञानिक एमा पैल्टन ने कहा कि ''एक समय था जब कैलिफोर्निया के तट पर 40 लाख से एक करोड़ तक तितलियाँ आती थीं। नब्बे के दशक तक इनकी आबादी घटत-घटते मात्र दस लाख रह गई और आगामी दशकों में तो आबादी मात्र 2 लाख रह गई। सन् 2017 की वार्षिक गणना में तो मात्र 30,000 तितलियाँ ही आईं। पैल्टन ने कहा कि मोनार्क जुझारु हैं और अनुकूलन करने में सक्षम हैं पर उनके सामने लगातार चुनौतियाँ आ रही हैं। इस वर्ष थोड़ी ही सही, पर आबादी बढ़ी है इसमें अच्छी बात यह है कि अभी देर नहीं हुई है। इन तितलियों को तेज गर्मी, जंगल की आग और सूखे के साथ-साथ कैलिफोर्नियां में तेज बर्फीले तूफानों का भी सामना करना पड़ा है। कुछ तूफान तो इतने तेज थे कि पेड़ उखड़ गए और तितलियां जमीन पर गिर गईं। लंबे समय तक इस प्रजाति का अध्ययन करने वाले, वॉशिंगटन स्टेट युनिवर्सिटी के डेविड जेम्स का कहना है कि स्थानीय लोग, मिल्कवीड जैसे पौधे, जो इन तितलियों को प्रिय हैं, उगाकर और कीटनाशकों का इस्तेमाल कम करके इन तितलियों की मदद कर सकते हैं।

दिल्ली में नहीं मिली इजाज़त अब जयपुर में होगी कांग्रेस की रैली

3 दिसंबर को स्थान तय करने जयपुर आएंगे वेणुगोपाल और माकन

जयपुर, 1 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस की महंगाई हटाओ रैली का आयोजन 12 दिसंबर को दिल्ली की बजाय जयपुर में होगा। दिल्ली पुलिस की ओर से दी गई रिपोर्ट के बाद उपराज्यपाल की ओर से कांग्रेस को रैली की अनुमति नहीं मिलने के बाद कांग्रेस ने दिल्ली में होने वाली महारैली को राजस्थान की राजधानी जयपुर में शिफ्ट कर दिया है। रैली की तैयारियों का जायजा लेने कांग्रेस संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल और प्रदेश प्रभारी अजय माकन 3 दिसंबर को जयपुर आएंगे। उसी दिन तय होगा कि जयपुर में यह रैली कहां होगी, क्योंकि जयपुर में एक लाख से ज्यादा की भीड़ इकट्ठा होने के लिए फिलहाल नज़र में कोई स्थान नहीं है। ऐसे में विद्याधर नगर

- **उसी दिन तय होगा कि, जयपुर में यह रैली कहां होगी। क्योंकि जयपुर में एक लाख से ज्यादा की भीड़ इकट्ठा होने के लिए कोई स्थान नहीं है।**
- **ऐसे में विद्याधर नगर या किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है।**

या किसी ग्रामीण क्षेत्र में इस रैली का आयोजन कराया जा सकता है।

रैली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका और सांसद राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। महंगाई हटाओ रैली में देश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता जयपुर पहुंचेंगे। अतः रैली करवाने के लिए भी कांग्रेस पार्टी को जयपुर में बड़ी स्थान की आवश्यकता होगी। रैली के लिए जयपुर में प्रस्तावित जगहों में जयपुर के विद्याधर नगर, मानसरोवर या फिर चौमू हो सकते हैं। हालांकि मानसरोवर में आवासन मंडल की ओर से पार्क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। अब प्रस्तावित स्थानों में विद्याधर नगर या फिर कोई ग्रामीण क्षेत्र हो सकता है। अभी जगह को लेकर अंतिम फैसला नहीं हुआ है, लेकिन रैली में शामिल होने के लिए देशभर से कांग्रेस के करीब 1 लाख कांग्रेस कार्यकर्ता जयपुर आ सकते हैं। महारैली को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। स्थान तलाश करने का काम आज से ही शुरू हो गया है और 3

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुआवज़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर वर्ष भर चले विरोध प्रदर्शनों के दौरान मरे किसानों के परिवारों को किसी प्रकार के मुआवजे के भुगतान से बुधवार को पल्ला झाड़ लिया। भुगतान को लेकर उनका कहना था कि केन्द्र

- **केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर ने संसद में कहा कि, किसानों के धरने के दौरान मरने वाले आंदोलनकारियों की न तो कोई अधिकृत सूची है, और न ही मृत्यु के कारणों का विवरण, अतः मुआवज़ा किस आधार पर दिया जा सकता है।**

सरकार के पास उक्त किसानों की मौतों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इन तीनों कानूनों को गत सोमवार ही निरस्त किया गया था।

तोमर, कांग्रेस के मनीष तिवारी द्वारा किसानों की मौत को लेकर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। तिवारी ने यह भी पूछा कि क्या सरकार उनके परिजनों को मुआवजा राशि देने की मंशा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने सैन्ट्रल विस्टा प्रोजैक्ट का काम जारी रखने के पक्ष में तर्क दिये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। केन्द्र ने सैन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के निर्माण को जारी रखने को बुधवार को उचित ठहराया तथा एक शपथ-पत्र में सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि इसका निर्माण इसलिये नहीं रोका गया था क्योंकि यह राष्ट्रीय महत्व का प्रोजेक्ट है।

दिल्ली के प्रदूषण पर गुरुवार को होने वाली सुनवाई से एक दिन पहले यह शपथ-पत्र प्रस्तुत कर दिया गया है, क्योंकि मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली बैंच ने सोमवार को केन्द्र से कहा था कि वह इस बिन्दु पर अपना स्पष्टीकरण दे कि सैन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का काम पूरे जोर-शोर से क्यों और कैसे चल रहा है, जबकि इस अदालत ने अपने 24 नवम्बर के आदेश में राष्ट्रीय राजधानी में सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर फिर से रोक लगा दी थी। इस बैंच में दो अन्य जज हैं- न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड तथा सूर्यकान्त। बैंच दिल्ली के 17 वर्षीय छात्र आदित्य दुबे द्वारा दायर की गई उस याचिका की सुनवाई कर रही है, जो दिल्ली तथा उससे जुड़े क्षेत्रों में हो रहे वायु-प्रदूषण से सम्बन्धित हैं।

केन्द्र ने दावा किया है कि सैन्ट्रल विस्टा के निर्माण कार्य के कारण राष्ट्रीय राजधानी में कोई वायु-प्रदूषण नहीं हो रहा है क्योंकि प्रौजेक्ट 'कन्स्ट्रक्शन एंड डिमॉलिशन वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स' की अनुपालना कर रहा है। शपथ-पत्र में कहा गया है कि सैन्ट्रल विस्टा रिडवलपमेंट, जो ''राष्ट्रीय महत्व'' का प्रोजेक्ट है, के अलावा, दिल्ली में केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा चलाई जा रही निर्माण-सम्बन्धी सभी गतिविधियाँ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा, वायु-प्रदूषण पर काबू जाने के उद्देश्य से, दिये गये निर्देशों की अनुपालना में रोक दी गई हैं।

नैशनल कैपिटल रीजन (एन.सी. आर.) में बदतर होती जा रही वायु की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने 24 नवम्बर को एन.सी.आर. में निर्माण कार्यों पर दोबारा रोक लगा दी थी। केन्द्र सरकार का सन्दर्भित जवाब उस समय आया है, जब शीर्ष अदालत ने 29 नवम्बर को केन्द्र तथा राज्य सरकारों से कहा था कि वे, प्रदूषण पर काबू पाने के लिये दिये गये निर्देशों की अनुपालना से सम्बन्धित रिपोर्ट पेश करें। दिल्ली के छात्र आदित्य दुबे की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने जोर देकर कहा कि जब निर्माण सम्बन्धी सारे काम रोक दिये गये हैं, उस समय भी, राष्ट्रीय राजधानी के बीचों बीच सैन्ट्रल विस्टा रिडवलपमेंट बेरोक-टोक जारी है।

लेकिन, केन्द्र ने बुधवार को पेश किये गये शपथ-पत्र के जरिये, इसका जवाब देते हुये कहा है कि सरकार सैन्ट्रल विस्टा रिडवलपमेंट के लिये, प्रदूषण ने होने देने वाले सारे उपाय काम में ले रही है, जैसे-ऐन्टी-स्मॉग गन्स, मिस्ट-स्प्रे सिस्टम, मैग्नीशियम क्लोराइड जैसे डस्ट सप्रैसेन्ट्स का उपयोग, निर्माण-सामग्री इधर-उधर लाने-ले जाने के लिये कन्वेयर बैल्ट्स का उपयोग तथा पूरी निर्माण-सामग्री को नमीयुक्त स्थिति में रखना आदि।

- **सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी प्रोजैक्ट जारी रखने का कारण यह बताया कि, यह प्रोजैक्ट राष्ट्रीय महत्व का काम है तथा प्रोजैक्ट को जारी रखते समय वे सभी ''प्रिकॉशन्स'' की सख्ती से पालना की गयी, तथा सभी हिदायतें बरती गयीं, जो प्रदूषण पर नियंत्रण रखने के लिये लागू की गयी हैं।**

शपथ पत्र में कहा गया है कि अगर बैंच चाहे तो केन्द्र सरकार सैन्ट्रल विस्टा स्थल पर काम में लिये जा रहे प्रदूषण नियंत्रण उपायों का अतिरिक्त विवरण प्रस्तुत करने के लिये भी तैयार है।

जयपुर के ज्वैलर ग्रुप के 50 ठिकानों पर इन्कम टैक्स के छापे

पांच सौ करोड़ रुपये की अघोषित आय के सबूत मिले?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। आयकर विभाग ने जूलरी और रंगीन रत्नों का निर्माण एवं निर्यात करने वाले जयपुर के एक ग्रुप पर हफ्ते भर तक छापेमारी कर 500 करोड़ रुपयों से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया है। ग्रुप के जयपुर एवं आसपास स्थित 50 से अधिक परिसरों में जांच पड़ताल की गई।

ग्रुप के स्वामियों ने 72 करोड़ रुपयों की अघोषित आय स्वीकार की है। इस जब्ती में 9 करोड़ के आभूषण और 4 करोड़ की नकदी शामिल है। यह ग्रुप सैमी प्रैशस और प्रैशस रत्नों की रफ अफ्रीकी देशों से आयात कर उन्हें जयपुर में तैयार करवाता रहा है। कट व पॉलिश्ड स्टोन्स से अर्जित आय को छिपाया गया और इसके कुछ हिस्से को खाता

- **यह ग्रुप अफ्रीकी देशों से सैमी प्रैशस व प्रैशस माल मंगाता था, तथा जयपुर में ''प्रोसैसिंग'' कराकर विदेश को निर्यात किया करता था।**
- **आयकर विभाग का मानना है कि, प्रोसैस्ड माल, बिना बिल के, नकद रकम लेकर बेचा जाता था। इस अघोषित बिक्री से हुई आय को यह ग्रुप ब्याज पर लगा देता था, नम्बर दो के मार्केट में।**
- **ग्रुप ने 72 करोड़ रुपये की अघोषित आय होने की बात तो कबूल कर ली है, तथा छापे के दौरान आयकर विभाग को नौ करोड़ रुपये की ज्वैलरी व 4 करोड़ रुपये नकद भी मिला।**

बहियों में दर्ज किए बिना नकद बेचकर बेहिसाब आय अर्जित की गई।

इस बेहिसाब आय का उपयोग एक फायनैंस ब्रोकर के जरिए नकद ऋण उपलब्ध करवाकर ब्याज कमाने में किया गया। जांच टीम ने नकद ऋणों और अर्जित ब्याज के डिजीटल और दस्तावेजी साक्ष्य बरामद किए। ब्रोकर ने इस तरह के लेन देन होना स्वीकार किया है।

बेहिसाब क्रय एवं विक्रय स्टॉक में अन्तर, अवास्तविक असुरक्षित ऋण और शेयर एप्लीकेशन मनी संबंधी आपत्तिजनक साक्ष्य भी पाए गए हैं।

इसके अलावा ग्रुप की स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (एस.ई.जैड) में संचालित इकाईयों के भी दस्तावेज मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि ग्रुप इन इकाइयों से ऊंचे लाभ की घोषणा कर अनुचित कार्यों में लगा था, क्योंकि इन इकाइयों से प्राप्त आय, आयकर अधिनियम के अन्तर्गत कर मुक्त है।

कंगना रनौत की टिप्पणियाँ सैंसर हों?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। एक वकील ने सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके, अदालत से अनुरोध किया है कि वह बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रानौत द्वारा भविष्य में की जाने वाली सभी सोशल मीडिया पोस्टों को सैंसर किये जाने के निर्देश जारी करे ताकि भारत में कानून-व्यवस्था सम्बंधी समस्याएं रोकी जा सकें।

एडवोकेट सरदार चरणजीत सिंह चन्दरपाल ने कंगना के इन्स्टाग्राम की पोस्ट का हवाला दिया है कि ''सिख किसान जो खालिस्तानी आतंकवादी है, उन्होंने 1984 के सिखों के नरसंहार को सही ठहराया है इस टिप्पणी को एक तरह से यह दावा किया गया है कि सिखों को अवांछित मच्छरों की तरह निम्न जाति के रुप माना जाना चाहिए तथा उन्हें इंदिरा गांधी जैसे गुरु की जरुरत है।''

उन्होंने कहा कि ऐसे बयान विभिन्न धर्मों में नस्ल के आधार पर भेदभाव और नफरत पैदा करते हैं। इससे सोशल मीडिया पर

- **सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि, कंगना रनौत की सोशल मीडिया पर डाली गयी टिप्पणियाँ, बहुत आपत्तिजनक, भड़काऊ होती हैं, अतः उन पर सैंसर लागू होना चाहिए, नहीं तो, देश में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है।**

भड़काने वाली, उत्तेजना पूर्ण बहस छिड़ सकती है, यहां तक कि दंगे भी हो सकते हैं। याचिका कहती है कि, ये टिप्पणियां ना केवल घ्रणा फैलाने वाली एवं ईशनिंदा के बराबर है बल्कि इनका इरादा साम्प्रदायिक फसाद करवाने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने का है, ये बेहद अपमानजनक है तथा सिखों को राष्ट्रविरोधी रुप में दर्शाती है। यह निर्दोष सिखों की हत्या को उचित ठहराती हैं। ये टिप्पणियां हमारे देश की एकता के एकदम खिलाफ हैं और अभिनेत्रों को इसके लिए कानून के अनुसार गंभीर दंड दिया जाना चाहिए। इन्हें दरकिार नहीं किया जा सकता है।

क्या ऑमक्रॉन से प्रेरित होकर यात्राओं/फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगाना उचित है?

यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने से कोई खास लाभ नहीं है, बल्कि कई देश इस वायरस के बारे में सही जानकारी शेयर करने से कतरायेंगे, और इस वायरस के बारे में रिसर्च करने में अनावश्यक विलम्ब होगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। ऑमक्रॉन का प्रकोप और फैलाव एक उम्मीद के मुताबित प्रतिक्रिया सामने लाया है क्योंकि विश्वभर के देशों में यात्रा पर पूर्ण प्रतिबन्ध लागू करने की होड़ मची हुई है। वास्तव में जबसे वायरस के नए स्ट्रेन का पिछले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका से पता चला, विश्व के दर्जनों देशों ने इसकी प्रतिक्रिया यात्रा प्रतिबंधों के रूप में दी है, जिनमें अधिकांशतः दक्षिण अफ्रीका देशों को निशाना बनाया गया है।

लेकिन कोविड-19 वायरस के नए स्ट्रेन के प्रति क्या ऐसी अविचारित प्रतिक्रिया न्यायोचित है, यह वह प्रश्न है जिस पर देशों की सरकारों को जरूर विचार करना चाहिए क्योंकि नए स्ट्रेन के अभी शुरूआती दिन ही हैं और इसको लेकर प्रमाणिक रूप से कुछ भी सिद्ध नहीं किया गया है कि नया वायरस आखिरकार लोगों को किस तरीके से प्रभावित करेगा।

इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने यह चेतावनी देने में तत्परता बरती कि पूर्ण यात्रा प्रतिबंध ऑमक्रॉन के प्रसार को नहीं रोक सकेंगे। ए.एफ.पी. की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व स्वास्थ्य इकाई ने यदि कुछ चेतावनी दी है तो वह यह कि पूर्ण यात्रा प्रतिबन्धों से कुछ अच्छा होने के बजाए नुकसान का जोखिम अधिक है।

डब्ल्यू.एच.ओ. ने एक यात्रा परामर्श में चेतावनी दी कि प्रतिबंधों की वजह से देश इस नए वायरस के डेटा शेयर करने से अन्ततः दूर रहेंगे।

लेकिन उसने यह सलाह भी दी कि 60 की उम्र से अधिक के लोगों सहित वैक्सीन नहीं लगवा चुके लोग, जिन्हें कोविड-19 होने का जोखिम है, को वायरस के जन संक्रमित क्षेत्रों की यात्रा से

- **यह सच नहीं है कि, दक्षिण अफ्रीका से आये लोगों के माध्यम से ही यह वायरस फैलता है, क्योंकि उदाहरण के लिये, हालैण्ड में ऑमक्रॉन से संक्रमित मरीज मौजूद थे, द. अफ्रीका से पहली फ्लाइट आने के पहले से।**

परहेज करना चाहिए।

डब्ल्यू.एच.ओ. प्रमुख टेड्रो एडनॉम धेब्रेयसस ने कहा कि उन देशों की बात भी जायज है जो एक ऐसे वेरियन्ट के प्रति अपने नागरिकों को सुरक्षित रखना चाहते है, जिसके बारे में हम अब तक पूर्ण रूप से समझ नहीं पाए हैं लेकिन उन्होंने देशों से जोखिम कम करने के तर्क संगत एवं यथानुपात उपाय करने का अनुरोध करते हुए मांग की कि वैश्विक प्रतिक्रिया ''शांत, समन्वित और सुसंगत हो।'' यात्रा के विस्तृत प्रतिबंधों की निरर्थकता तब रेखांकित हुई जब नीदरलैण्ड्स की सरकार ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने 25 नवम्बर को ऑमक्रॉन के पहले केस की पुष्टि की थी, लेकिन उनके देश में यह वेरियन्ट उससे पहले मौजूद था।

डच हैल्थ अथॉरिटीज़ ने मंगलवार को कहा कि इस वायरस को साथ लायी दो फ्लाइट्स के आने से पहले नीदरलैण्ड्स में ऑमक्रॉन उससे पहले से था। नैशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हैल्थ (आर.आई.वी.एम.) ने कहा कि 19 और 23 नवम्बर को लिए गए दो टैस्ट सैम्पल्स में हमें ऑमक्रॉन करोना वायरस वेरिएन्ट का पता चला। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इन लोगों ने दक्षिण अफ्रीका की यात्रा की थी?

इधर स्वदेश में बहस इस बात को लेकर चल रही है कि ऑमक्रॉन वेरिएन्ट के प्रति कोविशील्ड कितनी कारगर है। सीरम इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डिया के सी.ई.ओ. अदार पूनावाला के अनुसार ऑमक्रॉन के विरुद्ध कोविशील्ड की प्रभावोत्पादकता का पता अगले दो-तीन हफ्तों में चल जाएगा। पूनावाला ने एन.डी.टी.वी. को बताया कि फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि क्या ऑमक्रॉन अधिक खतरनाक है अथवा नहीं। फिर भी ऑमक्रॉन का ख्याल रखते हुए एक बूस्टर डोज़ संभव है।

पूनावाला की टिप्पणी ''द लांसैट'' के एक अध्ययन के बाद सामने आई, जिसमें कहा गया था कि कोविशील्ड डेल्टा वेरिएन्ट के दौरान भी वायरस का मुकाबला करने में कोविशील्ड काफी कारगर रही थी और इसने मरने व अस्पताल में भीर्ती होने का जोखिम महत्वपूर्ण रूप से कम किया था। उन्होंने कहा कि ऑमक्रॉन के प्रति कोविशील्ड के प्रभावी होने को लेकर अध्ययन भी चल रहे हैं तथा हमें इसके लिए कुछ हफ्तों की प्रतीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिक अनुसंधान में लगे हैं और उनके निष्कर्षों के आधार पर हम एक ऐसी नई वैक्सीन बना सकते हैं, जिसे आगामी छह महीनों में बूस्टर डोज़ के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

तथापि, ऑमक्रॉन वैरिएन्ट के बारे में अभी काफी कुछ ज्ञात नहीं है, इसलिए वह निर्धारित करने में कई सप्ताह लग सकते है कि इससे वैक्सीन से किस हद तक बचा जा सकता है, फिर भी इसने यह जता दिया है कि कोविड-19 के विरुद्ध वैश्विक अभी समाप्त नहीं हुई है।

मीडिया पर लगायी गई पाबंदियां!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उच्च सदन के सभापति को पत्र में इस बात पर ''गहरा दुख'' व्यक्त किया है कि लगातार पाँचवे सत्र में संसद की कार्यवाही की कवरेज के मामले में मीडिया का मुँह अप्रत्यक्ष रुप से बंद कर रखा है। खड़गे द्वारा मंगलवार को राज्यसभा के सभापति एम. वैंकेय्या नायडू के सौंपे गये इस पत्र में कहा गया है, ''मीडिया प्रतिष्ठानों के केवल मुट्ठी-

- **राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर, मीडिया पर संसद की कार्यवाही रिपोर्ट करने में बाधा बन रही पाबन्दियों को हटाने की पुरजोर मांग की।**

भर प्रतिनिधियों को ही प्रैस-गैलरी में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है, सैन्ट्रल हॉल में वरिष्ठ पत्रकारों का प्रवेश पूरी तरह रोक दिया गया है तथा पत्रकारों को संसद भवन के अहाते में सांसदों के साथ बात करने की अनुमति नहीं है।''

उन्होंने कहा कि अनेक नये ऐसे प्रतिबंध एवं पाबंदियाँ मनमाने तरीके से लगा दी गई हैं, जिनके चलते मीडिया लोकतंत्र के इस मंदिर से पूरी तरह बहिष्कृत हो गया है।

उन्होंने कहा कि संसद देश की राजनैतिक गतिविधियों के तंत्र का केन्द्र हुआ करती है तथा मीडिया ने सदैव ही अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया है कि सदन के पटल पर उठाये जा रहे ज्वलंत सार्वजनिक मुद्दों के बारे में आम जनता को पूरी जानकारी मिलती रहे। खड़गे ने कहा कि बहुत से वरिष्ठ पत्रकार तथा प्रैस के प्रतिष्ठान, वरिष्ठ सांसदों तथा लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं। खड़गे ने सभापति से अनुरोध किया कि वे इस समस्या का समाधान करें, जिससे मीडिया पहले की तरह बिना किन्हीं पाबंदियों के अपने कर्तव्य का निर्वहन करता रहे।

सहायक उपनिरीक्षक 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

चालान पेश करने तथा दर्ज मामले से लोगों के नाम हटाने की एवज में मांगी थी रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। आरबीएम पुलिस चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रामवीर सिंह को 20 हजार की रिश्वत लेते बुधवार को भृष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भरतपुर टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्यवाही परिवादी रामेश्वर जाटव व उसकी बहिन इन्दू की शिकायत पर एसीबी के एएसपी महेश मीणा के नेतृत्व में स्पेशल यूनिट इंचार्ज श्रवण कुमार विश्नोई की टीम ने की। एसीबी टीम द्वारा रामवीर एएसआई के घर एवं अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ली गई। पता चला है कि ब्यूरो की कार्यवाही की भनक लगते ही चौकी प्रभारी पुलिस चौकी के एक कमरे में छुप गया और अंदर से कुंडी बन्द कर ली लेकिन ब्यूरो की टीम ने कमरे के दरवाजे को तोड़कर चौकी प्रभारी को कमरे से बाहर निकाला।

ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश मीणा ने बताया कि पुलिस थाना सेवर के धर्मपुरा गाव निवासी परिवादी रामेश्वर जाटव व उसकी बहन इंदु ने ब्यूरो में इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी चौकी प्रभारी सहायक

आरोपी सहायक उपनिरीक्षक रामवीर सिंह

उपनिरीक्षक रामवीर सिंह उनके द्वारा पुलिस थाना मथुरागेट में दर्ज कराये गए एक प्रकरण में विरोधी पक्ष के खिलाफ चालान पेश करने तथा परिवादी पक्ष के खिलाफ विरोधी पक्ष की तरफ से दर्ज कराए

■ **एसीबी की भरतपुर टीम ने कार्रवाई की**

गए मामले में परिवादी पक्ष के लोगों के नाम निकाल देने की एवज में बतौर रिश्वत 20 हजार रुपयों की मांग की जा रही है। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मीणा ने बताया कि 30 नवम्बर को शिकायत के सत्यापन के बाद आज आरोपी चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रामवीर सिंह को रँगे हाथों गिरफ्तार कर उससे रिश्वत की राशि को बरामद कर लिया गया।

एसीबी टीम कार्यवाही में एएसपी महेश मीणा के अलावा टीएलओ श्रवण कुमार निरीक्षक व रीतराम सिंह एचसी, हरभान सिंह रीडर, विनोद सिंह, सुशील सिंह, रीतेशकुमार, परसराम, दिलीप, सुरेश, देवेन्द्र सिंह सभी कांस्टेबिल, कल्पना कनिष्ठ सहायक मौजूद रहे।

ट्रक-ट्रेलर की भिड़ंत में दोनों ड्राइवर जिंदा जले

बीकानेर-सूरतगढ़ हाईवे पर तेज धमाके के साथ वाहनों में लगी आग

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के राजियासर में नेशनल हाईवे-62 पर बीकानेर-सूरतगढ़ के बीचट्रक-ट्रेलर में भिड़ंत के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। दोनों वाहनों के ड्राइवर को बचने का मौका नहीं मिला और जिंदा जल गए। हादसे के बाद तेज धमाका हुआ। एक वाहन से क्लीनर कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई। बुधवार सुबह 5 बजे श्रीगंगानगर में नेशनल हाईवे-62 पर बीकानेर-सूरतगढ़ के बीच यह हादसा हुआ। राजियासर पुलिस जानकारी जुटा रही है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

हादसे के समय राजियासर में एनएच के आसपास रहने वाले लोगों की नींद तेज धमाके की आवाज से खुली। लोगों ने देखा तो ट्रक और ट्रेलर भिड़े हुए थे। आग की लपटें उठ रही थीं। लोगों ने वाहन से कुछ दूरी पर एक क्लीनर को देखा। उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही सूरतगढ़ थर्मल पावर स्टेशन और सूरतगढ़ नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। इससे पहले आसपास के लोगों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मौके पर पहुंची दोनों फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह करीब 7 बजे आग पर काबू पाया। जहां हादसा हुआ है, वहां बाजार है। आसपास कई दुकानें हैं। बड़े हादसे की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने सबसे पहले पानी डालकर डीजल टैंक को बचाया। अगर यह ब्लास्ट करता तो दुकानों को नुकसान होता। ट्रक बीकानेर की ओर से आ रहा था। इसमें गिट्टी (ग्रिट) भरी हुई थी। ट्रेलर खाली था। यह सूरतगढ़ से बीकानेर की तरफ जा रहा था।

चूरू में सर्दी ने जोर पकड़ा

चूरू, (कासं)। चूरू में सर्दी जोर पकड़ने लगी है। आज सवेरे दस बजे तक काफी ठण्ड रही। इस दौरान सूर्य देवता के दर्शन ही दुर्लभ हो गए। लोग दिनभर गर्म वस्त्रों से लदे रहे। बाजार भी देर से खुले और शाम ढलने के साथ ही व्यापारी लोग अपने घरों में चले गए। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। रात्रि के समय यहां कड़ाके की ठण्ड रही। रात को सफर करने वाले गर्म कपड़ों से लदकर ही घर से रवाना हुए।

सीमा सुरक्षा बल हुई 57 साल की

जैसलमेर, (नि.सं.)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) बुधवार को 57 साल का हो गया। सीमा सुरक्षा बल में जोश और जुनून भरपूर है। 1 दिसंबर को अपना 57 वां स्थापना दिवस सीमा सुरक्षा बल मना रही है। जैसलमेर से लगती राजस्थान फ्रंटियर की 471 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा पर सीमा सुरक्षा बल देश की सीमा पर 122 चौकियों की निगरानी करती है। रात और दिन भारत की सीमा को दुश्मनों की निगाहों से महफूज रखती है।

जैसलमेर के रेतीले धोरों पर गर्मियों में तापमान 50 डिग्री से पार और

■ **122 चौकियों से देश की निगरानी करता है सीमा सुरक्षा बल**

सर्दियों में जीरो डिग्री से नीचे चला आता है। बावजूद इसके सीमा पर जवान मुस्तैदी से डटे रहते हैं। भारत-पाकिस्तान की सबसे लंबी इंटरनेशनल बॉर्डर जैसलमेर से लगता है। इस बॉर्डर की लंबाई 471 किलोमीटर के करीब है। पहला बॉर्डर पोस्ट फतूवाला और आखिरी बॉर्डर पोस्ट रायथनवाला है। 1965 में स्थापना के बाद 1971 में युद्ध के के समय सेना के साथ सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने भी कंधे से कंधा मिलाते हुए दुश्मनों के दांत खट्टे किए।

जैसलमेर की रेतीली धरती पर सीमा सुरक्षा बल भीषण गर्मी में लू के थपेड़ों को भी झेलती है। सरहद पर गर्मियों में तापमान जब 50 डिग्री से भी ऊपर चला जाता है, उस दौरान भी ये जवान तेज अंधड़ में भी मजबूती के साथ सरहद पर नजर आते हैं। सर्दियों में जब इस रेत पर शीतलहर चलती है, तब तापमान जीरो डिग्री से भी नीचे चला जाता है। ऐसी विपरीत परिस्थितियों में भी सीमा सुरक्षा बल का जवान सरहद की सुरक्षा में कोई चूक नहीं करता।

कोरोना के नये वैरिएंट ओमिक्रोन को लेकर चिकित्सा विभाग अलर्ट

टोंक, (निसं)। टोंक जिला काफी समय से कोरोना मुक्त है जो कि जिले के लिये सुखद है, लेकिन जिस तरह से कोरोना के नये वैरिएंट ने कई देशों में दस्तक देते हुए लोगों को सक्रंमित किया है, उससे फिर एक बार चिंता बढ गई है। जिला प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट मोड पर रह कर पूर्व की भांति कार्य करना प्रारंम्भ कर दिया है। सक्रंमित मिलने पर उनके इलाज को लेकर पूर्व में की गई तैयारियों को तो पुनर्व्यवस्थित किया जा रहा है, साथ ही आम जनता से कोविड-19 वैक्सीनेशन कराने की अपील की है।

सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार यादव एवं डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महबूब खान ने बताया कि जिले में प्रतिदिन सैम्पलिंग को बढ़ाया जा रहा है, जिससे कि अगर कोई व्यक्ति कोरोना से सक्रंमित पाया जाता है तो स्वास्थय विभाग द्वारा तुरंत कार्य करते हुए उसे स्वास्थ्य लाभ दिया जा सके व स्थिति पर नियन्त्रण किया जा सकें। जिले माह नवम्बर में लगभग 10 हजार 375

■ **स्कूलों में पहुंची टीम, वैक्सीनेशन और सैंपलिंग बढ़ाई**

■ **पूर्व में की तैयारियों को व्यवस्थित किया जा रहा है**

सेम्पल लिये हैं। जिले में मंगलवार को 735 लोगों की सैंपलिग की गई, जिसमें आरटीपीसीआर के लगभग 500 व रेपिड एंटीजन टेस्ट के लगभग 235 सैम्पल लिये गयें। इसी प्रकार रोज औसतन रैण्डम 500 सैम्पलिंग व संस्थानों पर 200 सैम्पलिंग की जा रही है। नये वैरिएंट से आमजन को सुरक्षित रखने के लिये नई रणनीतियों का निर्माण कर कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों मे निरंतर रैडम सैंपलिग शुरू कर दी गई है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, मामला दर्ज

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह कस्बे में मोरला रोड स्थित एक मकान में विवाहिता की हुई संदिग्ध पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले अस्पताल की मोर्चरी में रखवा कर पीहर पक्ष को सूचना दी।

सूचना पर पहुंचे मृतका के पिता गोपाल प्रजापत निवासी कुराड ने अपनी बेटी की हुई संदिग्ध मौत पर दामाद दिनेश प्रजापत के विरूद्ध मारपीट व प्रताड़ना का नामजद मामला दर्ज करवाते हुए अवगत करवाया कि उसकी बेटी कंचन का विवाह लाम्बाहरिसिंह निवासी दिनेश पुत्र कजोड प्रजापत के साथ सामाजित रीतिरिवाज से सम्पन्न हुआ था शादी के कुछ दिनों के बाद से ही दिनेश शराब पीकर कंचन के साथ मारपीट कर प्रताड़ित करता था। 25 नवम्बर को कंचन ने एक पड़ौसी के मोबाइल से भाई जीतराम को दूरभाष पर अपनी पीड़ा बया की तथा 30 नवम्बर की रात को दूरभाष पर उसे बेटी की मौत की सूचना दी। पुलिस ने पिता की दी रिपोर्ट पर दिनेश के विरूद्ध नामजद मामला दर्ज कर मेडिकल बोर्ड से विवाहिता का पोस्टमार्टम करवा शव पिता को सुपुर्द किया।

पुलिस पहरे में निकली दलित दूल्हे की निकासी

घोड़ी पर बैठने के लिए पुलिस से मांगी थी मदद

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जयसिंहपुरा के गांव सूरजपुरा में बुधवार की शाम को एक दलित दूल्हे की निकासी पुलिस कि कड़ी सुरक्षा के बीच निकाली गई। गांव में दलित दूल्हे के घोड़ी पर बैठने को लेकर तनाव की आशंका के चलते, दूल्हे के परिवार की ओर से लगाई गुहार के बाद गांव में भारी सुरक्षा पहरा लगाया गया। पुलिस सुरक्षा में निकासी शांतिपूर्ण तरीके से निकली।

■ **सूरजपुरा गांव दूसरी बार छावनी में तब्दील**

सूरजपुरा निवासी सुनील वर्मा ने अपने छोटे भाई संजय वर्मा की शादी शांतिपूर्वक सपन्न करवाने हेतु स्थानीय प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर सुरक्षा की गुहार लगाई थी। वहीं यहां दलित परिवार की ओर से दूल्हे के घोडी पर बैठकर निकासी निकालने पर निकासी में रूकावट पैदा करने की आशंका जताई गई थी। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर

सूरजपुरा गांव में दलित दूल्हे की निकासी पुलिस सुरक्षा के बीच निकाली।

ग्रामीण मनीष अग्रवाल की निगरानी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली सुमित गुप्ता के निर्देशन में वृत्ताधिकारी वृत्त कोटपुतली ईश्वर सिंह, वृत्ताधिकारी वृत्त शाहपुरा सुरेंद्र कृष्णिया केके नेतृत्व में विराटनगर, प्रागपुरा, शाहपुरा, कोटपुतली, सरुंड, भाबरू सहित अन्य पुलिस थानों से भारी पुलिस जाप्ता सूरजपुरा पहुंचा। वहीं दलित दूल्हे की निकासी निकालने को लेकर पुलिस प्रशासन ने गांव के सभी रास्ते सील कर दिए गए।

गौरतलब है कि ग्राम सूरजपुरा में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब दूल्हे की निकासी पुलिस सुरक्षा में निकाली गई। इससे पहले करीब 1 वर्ष पूर्व भी एक दलित दूल्हे के परिजनों ने शादी की बिंदोरी व निकासी में घोडी पर बैठने के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की थी। तब भी पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया था।

बघेरे ने बछड़े का शिकार किया, ग्रामीणों में भय

निवाई, (निसं)। गांव बस्सी में मंगलवार की देर रात को बघेरे ने गाय के एक बछड़े का शिकार किया जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त है।

ग्रामीणों ने गाय के बछड़े के शिकार की सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी। जिसके बाद वन कार्मिक मौके पर पहुंचे। आशाराम कावर, लेखराज कसाणा, हेमराज गुर्जर ने बताया कि

■ **बघेरा 25 पशुओं का शिकार कर चुका है**

बीती रात को गांव बस्सी में बहड रोड से जाने वाले रास्तें पर एक आवारा गाय के बछड़े का बघेरे ने शिकार कर दिया। उन्होंने बताया कि बस्सी क्षेत्र में अब तक करीब 25 पशुओं का बघेरा शिकार कर चुका है। पिछले वर्ष भी सर्दी के मौसम में बघेरे ने पालतू जानवरों का शिकार किया था। वापस बघेरे के बस्सी क्षेत्र में शिकार करने से रात में खेतों पर रखवाली करने करने वाले किसानों में भय है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग के गार्ड मौके पर पहुंचे और बघेरे के पदचिन्ह देखे लेकिन वहां मौके पर सख्त मिट्टी होने से पदचिन्ह नहीं मिले।

पावटा उपखंड में नहीं है फायर बिग्रेड, आगजनी पर कैसे पाए काबू?

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा बनने के बाद भी दमकल नहीं होने से अग्निकांड के समय पावटा कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र की आबादी को परेशानी भुगतनी पड़ रही है। दमकल की व्यवस्था नहीं होने से आगजनी होने पर ग्रामीण स्वयं के स्तर पर ही आग पर काबू पाते हैं हालांकि तब तक काफी नुकसान हो जाता है।

पावटा तहसील के अंतर्गत कई गांव जुड़े होने के बाद भी दमकल की व्यवस्था नहीं है। जिससे गांवों में आए दिन होने वाली आगजनी की घटनाओं में दमकल को बहरोड, कोटपुतली, शाहपुरा से बुलाया जाता है और जब तक दमकल घटना स्थल पहुंचती है तब तक आग अपनी कार्य कर चुकी

■ **दूसरे स्थान से जब तक दमकल पहुंचती है तब तक सब कुछ हो जाता है स्वाहा**

■ **क्षेत्र में आगजनी की कई घटनाएं हुई है**

होती है और पीड़ित लाखों का नुकसान झेल चुका होता है। कस्बे के लोगों का कहना है कि पावटा व आस पास के क्षेत्रों में आग लग जाने पर 16-25 किमी दूर कोटपुतली बहरोड या शाहपुरा से दमकल की गाडी आती हैं। क्षेत्र में एक के बाद एक आगजनी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। वही बहरोड, कोटपुतली, शाहपुरा से दूरी होने के कारण समय पर दमकल नहीं पहुंचने के कारण लाखों करोडो का नुकसान पीडितों को हो चुका है।

तहसील में 2011 के आंकडों के अनुसार 79 गांवों में 1 लाख 80 हजार 785 की आबादी है। तहसील से गांवों की अधिकतम दूरी 10-15 किलोमीटर है। आग लगने पर 16-26 किलोमीटर दूर कोटपुतली, शाहपुरा से आती है सूचना के बाद भी पावटा तक दमकल को पहुंचने में काफी समय लगता है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पूरक परीक्षा का परिणाम किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2021 की पूरक परीक्षाओं का परिणाम बुधवार सायं जारी कर दिया। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ डी पी जारोली ने बताया कि वर्ष 2021 की पूरक परीक्षाओं के लिए कुल 2285 परीक्षार्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत किए गए थे ,जिनमें से 618 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। कुल 498 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए है।

सेकेंडरी परीक्षा का परिणाम 60.94 , सीनियर सेकेंडरी परीक्षा का परिणाम 85.66 और मूकबधिर एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। यह परिणाम बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि जो परीक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका की संवीक्षा उपरांत उसकी स्कैन प्रति प्राप्त करना चाहते हैं कराना चाहते हैं।

सीएफसीएल को सर्वाधिक पांच श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया

कोटा, (निसं)। चम्बल फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड गडेपान को हाल ही में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय सेमीनार में पांच श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कंपनी को यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी नवाचार, सर्वश्रेष्ठ उत्पादन, उत्कृष्ट सुरक्षा एवं बेस्ट वीडियो फिल्म श्रेणी में दिया गया। कंपनी द्वारा किसी भी एफ.ए.आई वार्षिक राष्ट्रीय सेमीनार में जीते गए ये सर्वाधिक पुरस्कार हैं।

इंडिया हैबिटैट सेंटर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर त्रिलोचन महापात्र एवं एफ.ए.आई के महानिदेशक सतीश चन्दर ने कंपनी के अधिकारी अजय तायल, एवीपी-मेंटेनेंस, संजय अग्रवाल, डीजीएम-फायर एंड सेफ्टी, अमित गोयल, सीनियर मैनेजर-प्रोसेस, विपुल माथुर, डीजीएम-यूरिया, डॉ नरेश प्रसाद, डीजीएम-मार्केट डेवलपमेंट। इस मौके पर गौरव माथुर-प्रबंध निदेशक, चम्बल फर्टिलाइजर ने भी अपनी उपस्थिति से टीम को प्रोत्साहित किया।

कंपनी द्वारा प्लांट में किये जा रहे सतत उत्पादन के प्रयासों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि रही क्योंकि प्लांट की स्थापना से ही कंपनी पर्यावरण संरक्षण, सेफ्टी एवं उत्कृष्ट तकनीक के लिए प्रतिबद्ध रही है। कंपनी द्वारा निर्मित वीडियो फिल्म स्वस्थ मृदा स्वस्त जीवन को भी प्रथम पुरस्कार मिला। एफ.ए.आई द्वारा देश में संचालित करीब 25 से भी अधिक उर्वरक संयंत्र में सी.एफ.सी.एल के यूरिया संयंत्रों को इन श्रेणियों में सर्वोच्च आंका। एफएआई की स्थापना मुख्य रूप से उर्वरक निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने के उद्देश्य से 1955 में की गयी थी। सी.एफ.सी.एल ने भारत सरकार एवं राज्य सरकार के सतत उत्पादन के मानक एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कई उलेखनीय कार्य किये, जिनमें प्रमुख हैं जलसंरक्षण, वनसंरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट निपटान आदि। कंपनी द्वारा सयंत्र के समीप विकसित ग्रीन बेल्ट पर्यावरण संरक्षण के शेत्र में एक उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय उदाहरण है।

राजस्थान सरकार वन विभाग

कमांक: प.1 (145) वन/2020 जयपुर दिनांक 6.1.2021

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF)
राजस्थान, जयपुर

विषय: Diversion of 0.6957 ha. Forest land in Jio Digital Fiber Pvt.Ltd. For Laying of Under ground Optical Fiber Cable Along the Road Within the Exiting Row from Kelwara to Karhal District-Baran (Rajasthan) Total Route Length-24.840 km (FP/RJ/OFC/44278/2020)

संदर्भ:- आपका पत्रांक एफ 14 (391/36)2020 /एफसीए/ प्रमुवस/3499 दिनांक 27.11.2020

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव मे Jio Digital Fiber Pvt. Limited (प्रयोक्ता अभिकरण) द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अर्न्तगत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 मे OFC Cable Line हेतु 0.6957 हेक्टयर वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है। नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरांत प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अर्न्तगत धारा-2 मे सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा-निर्देशों एवं नवीन निर्देश दिनांक 27.07.2020 के परिपेक्ष्य मे Diversion of 0.6957 ha. Forest land in Jio Digital Fiber Pvt.Ltd. For Laying of Underground Optical Fiber Cable Along the Road Within the Exiting Row from Kelwara to Karhal District-Baran (Rajasthan) Total Route Length-24.840 km (FP/RJ/OFC/44278/2020) की सैद्धांतिक स्वीकृति बिना वृक्षों के पातन सहित निम्न शर्तों के अध्याधीन प्रदान करती है:-

1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नही होगा।
2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नहीं किया जावेगा।
3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस-पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुचाई जावेगी एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगें।
4. प्रत्यावर्तित क्षेत्र मे रोपित किये जाने वाले वृक्षों को वन विभाग की बिना पुर्वानुमति के नही काटा जावे। उक्त क्षेत्र मे रोपित पेड परिपक्व होने पर, वन विभाग के होगें।
5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वनक्षेत्र के आस-पास मजदुरों/स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैम्प नही लगाया जावेगा।
6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्यरत मजदूरों/ स्टाफ को रसोई गैस/ केरोसिन तेल आपूर्ति की जावेगी, ताकि निकटवर्ती वनों को क्षति न हो।
7. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस -पास की वनभूमि से/पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/पत्थर काटने या भरने का कार्य नही किया जावेगा।
8. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य मे योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशो का पालन करेगा।
9. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए.सटिर्फिकेट प्रस्तुत करावेगा। तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा।
10. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा।
11. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दिनांक 24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिनांक 7.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण मे सुनिश्चित की जावें तथा प्रकरण मे जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी एवं अंग्रेजी मे प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र मे अक्षरश: प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय, पंचायत एवं नगरपालिका के राजकीय अधिकारीयों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय, (पी.एस.बिश्नोई) संयुक्त शासन सचिव

बीकानेर में फिर चार कोरोना पॉजिटिव

बीकानेर, (कासं)। जिले में बुधवार सुबह कोरोना के चार नए पॉजिटिव केस मिलने के साथ ही एक्टिव मामले बीस तक पहुंच गए हैं। उधर, नोखा में तीसरा पॉजिटिव मिलने के साथ ही ये कस्बा धीरे-धीरे खतरे के निशान पर आ रहा है। बुधवार को पॉजिटिव मिले रोगियों में एक 14 साल का बालक भी है, जो कैलाशपुरी में रहता है। कोरोना के नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि चार नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं, इनमें एक बच्चा भी शामिल है। ये बच्चा कैलाशपुरी एरिया का रहने वाला है। अभी ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि ये बालक सूरतगढ़ के एक स्कूल हॉस्टल में पढ़ता था। रिपोर्ट आने से पहले ही वो वापस सूरतगढ़ चला गया है।

डॉ. मीणा ने बताया कि इस बारे में श्रीगंगानगर सीएमएचओ को सूचना दी जा रही है। इसके अलावा करमीसर में रहने वाली पचास वर्षीय महिला और हेड पोस्ट ऑफिस के पास रहने वाले 29 वर्षीय युवक को भी कोरोना हो गया है। नोखा में नया केस वार्ड संख्या तीन से है, यहां भी 29 वर्षीय युवक ही कोविड की चपेट में आया है। इसके साथ ही बीकानेर में कोविड पॉजिटिव रोगियों की संख्या बीस तक पहुंच गई है।

तीन दिवसीय कुंभलगढ़ महोत्सव का रंगारंग आगाज

संभागीय आयुक्त व जिला कलेक्टर ने विधिवत शुभारंभ किया

राजसमंद, (निसं)। ऐतिहासिक कुंभलगढ दुर्ग परिसर में तीन दिवसीय कुंभलगढ महोत्सव का आगाज रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। प्रारंभ में उदयपुर संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल व पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना ने महाराणा कुंभा की छवि के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया तथा संभागीय आयुक्त ने ढोल की थाप बजाकर महोत्सव का शुभारंभ किया।

संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने कहा कि काफी लम्बे समय कोरोना महामारी के कारण ऐसा आयोजन हो रहा है और आमजन घरों के बाहर निकले है, इसलिये इस महोत्सव को सफल बनाए। जिला कलेक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल ने कहा कि ये महोत्सव मेवाड क्षेत्र की कला और संस्कृति की नायाब पहचान है, जिसमें यहां की सांस्कृतिक विरासत, इतिहास, दर्शन, कला आदि की झलक दिखाई देती है। फिर राजस्थानी विद्या पर आधारित लाल अंगी गैर, सेहरिया नृत्य, कालबेलिया नृत्य की शानदार

कुंभलगढ़ महोत्सव में कलाकारों ने कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुतियां दी।

प्रस्तुतियां दी, तो अफसरों व पर्यटकों ने तालियों की गडगडाहट के साथ उत्साहवर्द्धन किया।

सुबह से ही क्षेत्रीय लोगों के साथ दुर्ग भ्रमण के लिए सैलानियों ने खूब आनंद उठाया। बारां से आए कलाकर दल ने चकरी नृत्य व सहरिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी, जिस पर सैलानियों ने भी उसके साथ डांस लिया। इसी तरह बाडमेर के कलाकारों द्वारा लाल गैर नृत्य, जयपुर से आए बहुरूपिए कलाकारों की प्रस्तुति भी बेहद रोमांचकारी रही, जबकि कालबेलिया नृत्य ने भी खूब वाहवाही लूटी।

कलाकारों की मनमोहक

■ **मनमोहन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया**

प्रस्तुतियों से पर्यटकों को इतना मंत्रमुग्ध कर दिया कि वे अपने आप को भी नृत्य करने से नहीं रोक पाए। पर्यटन विभाग तथा जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित कुंभलगढ फेस्टिवल दिनभर में दुर्ग परिसर में अलग-अलग नृत्य की प्रस्तुतियां लगातार देते हैं, जिसे देखने के लिए लोगों का काफी जमघट लगा रहा। इस अवसर पर कुंभलगढ उपखंड अधिकारी जयपालसिंह राठौड, प्रधान कमला दसाणा, जिपस दिनदयाल गिरी, आईआरएस अधिकारी मुकेश राठौड, एसीईओ जिप अनिल सनाढ्य, सहायक पर्यटन अधिकारी सुजीत जोशी, होटल एसोसिएशन अध्यक्ष जमनाशंकर, प्रेमसुख शर्मा, विकास अधिकारी भगवानसिंह कुंपावत सहित कई पर्यटक एवं क्षेत्रवासी मौजूद थे। संचालन कुबेरसिंह ने किया।

भीलवाड़ा में 6 साल की स्कूली बच्ची पॉजिटिव

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कंवलिया क्षैत्र के एक गांव की रहने वाली छह साल की पहली कक्षा की छात्रा जांच में कोरोना संक्रमित मिली हैं। डिप्टी सी एम एच ओ डॉ घनश्याम चावला के अनुसार नाई का खेड़ा राजकीय प्राथमिक विद्यालय की इस छात्रा के पैर में कांटा लगने के बाद मंगलवार को महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पैर में माईनर ऑपरेशन होने के कारण डॉक्टरों ने छात्रा की कोरोना जांच करवाई। बुधवार दोपहर इसकी जांच रिपोर्ट में छात्रा पॉजीटिव पाई गई। छात्रा में कोरोना से संबंधित कोई भी लक्षण नही थे। लंबे समय के बाद कोरोना पॉजीटिव आते ही चिकित्सा प्रशासन में भी खलबली मच गई।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2021-22/16203-13 Date:01.12.2021

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 236/2021-22

निम्न लिखित परियोजना पर पथकर वसूली हेतु ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	आरक्षित राशि (रू.)
Collection of Toll Tax (from Commercial & Private Vehicles) on Pratapgarh-Mandsore Road for 90 days or till Start of Toll Collection by New Agency on urgent Temporary Basis. **UBN No. RRC2122SLOB00436**	90.95 Lakh

ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अवधि दिनांक 29.11.2021 प्रात 09.00 बजे से 06.12.2021 सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित संपूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://roads.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

रानी बाजार अंडरब्रिज बनने से आमजन को लाभ मिलेगा : कलेक्टर

बीकानेर कलेक्टर नमित मेहता ने रानी बाजार अंडरब्रिज व सूरसागर तालाब का निरीक्षण किया।

- अंडरब्रिज निर्माण के कार्यादेश जारी, शीघ्र ही इसका कार्य प्रारम्भ किया जायेगा
- सूरसागर पर सेल्फी पाइंट का निर्माण एक सप्ताह में करने के निर्देश दिए
- शहर में नाइट टूरिज्म की संभावनाओं पर कार्य किया जायेगा

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर एवं नगर विकास न्यास अध्यक्ष नमित मेहता ने बुधवार को मैराथन सिटी राउंड लिया। इस दौरान न्यास सचिव नरेन्द्र सिंह पुरोहित, अधीक्षण अभियंता रांजीव गुप्ता सहित सभी इंजीनियर साथ रहे।

जिला कलेक्टर ने रानी बाजार अंडरब्रिज कार्यस्थल का मुआयना किया तथा बताया कि यहां अंडरब्रिज निर्माण के कार्यादेश जारी कर दिये गए हैं। शीघ्र ही इसका कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण हो, यह सुनिश्चित किया जाए। यहां अंडरब्रिज बनने से आमजन को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि सांखला फाटक पर अंडरब्रिज बनाने की संभावनाओं के मद्देनजर कंसलटेंट द्वारा ड्राइंग प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने मटका गली और आसपास के क्षेत्र का मुआयना किया।

जिला कलेक्टर ने सूरसागर पर सेल्फी पाइंट का निर्माण एक सप्ताह में करने के निर्देश दिए। साथ ही यहां साफ-सफाई तथा सभी लाइटें चालू रखने के साथ सूरसागर में पर्याप्त पानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचशती और मेजर पूर्ण सिंह सर्किल का अवलोकन किया और सौन्दर्यकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों सर्किलों को मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। इनमें आकर्षक लाइटिंग, इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं सड़क, साफ-सफाई, पत्थर की रैलिंग आदि बनाई जाए। जयनारायण व्यास कॉलोनी में स्वीकृत सड़क पेचवर्क कार्यों का निरीक्षण किया तथा सभी कार्य अविलम्ब पूर्ण करवाने के निर्देश दिए।

न्यास अध्यक्ष ने नगर विकास न्यास की जोड़बीड़ आवासीय कॉलोनी, एनआरआई कॉलोनी तथा कृषि मंडी के पास विकसित होने वाली आनंदम ग्रीन का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इनमें सभी आधारभूत सुविधाएं हों। आनंदम ग्रीन और जोड़बीड़ आवासीय कॉलोनी में सड़क निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करने तथा एनआरआई और आनंदम में भव्य प्रवेश द्वार बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कॉलोनियों में भूखंड नीलामी की कार्यवाही की जाए।

मेहता ने बताया कि रविन्द्र रंगमंच परिसर में मसाला चौक बनाया जायेगा। इसमें हैरिटेज लुक की दुकाने बनाई जायेगी। जहां बीकानेर से संबंधित पारम्परिक खाद्य वस्तुएं विक्रय की जायेगी। वहीं इसमें बैठक व्यवस्था, बच्चों के लिए झूले, हरियाली, लाइटिंग आदि की व्यवस्था होगी।

उन्होंने यहां बन रहे ओपन थिएटर का अवलोकन भी किया तथा निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मसाला चौक और ओपन रंगमंच निर्माण के बाद यह स्थान आमजन के आकर्षण का केन्द्र बन जायेगा।

शहर में नाइट टूरिज्म की संभावनाओं पर तेजी से कार्य किया जायेगा। इसके मद्देनजर जिला कलेक्टर ने पब्लिक पार्क परिसर के सभी प्रवेश द्वार दुरूस्त करवाने, परिसर में साफ-सफाई रखने, सभी सर्किल्स की रैलिंग की थीम एक रंग की रखने, परिसर की दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग अथवा श्री डी कलाकारी करवाने, सभी फुटपाथ एक जैसे करवाने, क्राउन पार्क, गोमुख एवं सभी मूर्तियों के आसपास आकर्षक लाइटिंग करने, वाहन पार्किंग की प्रभावी व्यवस्था करने, दीवारों पर चिपकाये गए पोस्टर-बैनर हटाने, पार्कों को विकसित करने तथा टाय ट्रेन को जल्दी ही चालू करने के निर्देश दिए।

जूनागढ़ के सामने स्थित मसाला चौक में सरस पार्लर स्थापित किया जायेगा। यहां उरमूल डेयरी के सभी उत्पाद मिलेंगे। जिला कलेक्टर ने डेयरी के प्रबंध संचालक एस. एन. पुरोहित तथा प्रशासनिक अधिकारी सलीम भाटी के साथ इस स्थान का अवलोकन किया तथा कहा कि शीघ्र ही इसकी शुरूआत कर दी जाए। उन्होंने ऊंट उत्सव के मद्देनजर हैरिटेज वॉक के सौंदर्यकरण का कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही न्यास के अभियंताओं को निर्देशित किया कि सभी कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाए। कार्यों की गुणवत्ता का पूर्ण ध्यान रखा जाए।

प्रतियोगिताओं से दिया आजादी के अमृत महोत्सव का संदेश

बीकानेर, (कासं)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो जोधपुर द्वारा शिक्षा विभाग के सहयोग से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रासीसर में आजादी के अमृत महोत्सव दो दिवसीय विशेष जन चेतना जागरूकता पूर्व प्रचार कार्यक्रम के दौरान विभाग द्वारा संगोष्ठी, निबंध, पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिताओं के माध्यम से आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अखिल ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना स्वच्छ भारत मिशन एवं आजादी के अमृत महोत्सव पर ज्ञानवर्धक एवं प्रभावी जानकारी दी। इसी अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका संतोष मारू एवं रेखा, सुश्री पिंकी ने आजादी के अमृत महोत्सव जन चेतना कार्यक्रम में सहयोग प्रदान कर संक्षिप्त जानकारी दी। इसी अवसर पर क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो जोधपुर के के. आर. सोनी ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजना स्वच्छ भारत मिशन, कोविड-19 रोकथाम, एक भारत श्रेष्ठ भारत, सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ, जल संरक्षण एवं आजादी के अमृत महोत्सव पर संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

साथ ही सोनी ने बताया कि देश की एकता एवं अखंडता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय एकता में योगदान देने वाले लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं भगत सिंह के योगदान पर जानकारी प्रदान की।

बीकानेर संभाग में मौसम बदला, बादलों से सर्दी बढ़ी

- इन दिनों जिले के ग्रामीण अंचल में कोहरा नजर आने लगा है

बीकानेर, (कासं)। जिले में बुधवार सुबह बादलों की आवाजाही ने तेज सर्दी का अहसास करा दिया है। आमतौर पर बीकानेर में कार्तिक पूर्णिमा के बाद ही सर्दी तेज हो जाती है लेकिन इस बार सर्द हवाओं का दौर कुछ देरी से शुरू हुआ है।

दिसम्बर के पहले ही दिन सर्दी का अहसास हो गया है। खास बात ये है कि पिछले चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान में कमी के बजाय बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान में इस साल की सर्वाधिक गिरावट दर्ज की गई थी। सोमवार को बीकानेर में न्यूनतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस था, जो मंगलवार को घटकर 10.5 डिग्री सेल्सियस रह गया। अचानक से कम हुए तापमान ने रात ठंडी कर दी है। पिछले चौबीस घंटे में भी तापमान में गिरावट की उम्मीद की जा रही थी लेकिन ये बढ़कर फिर 15.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मंगलवार की रात सोमवार की तुलना में गर्म ही महसूस की जा रही थी।

सुबह आसमान में बादल होने से सर्दी में ठिठुरन कुछ बढ़ गई है। सुबह छह बजे से ही स्कूल बस स्टॉप पर खड़े बच्चों में ऐसी ठिठुरन देखी जा सकती थी। स्कूली बच्चों के शरीर पर गर्म कपड़ों का भार बुधवार को कुछ और बढ़ गया है। स्वेटर और ब्लेजर के साथ अब टोपी और दस्ताने भी नजर आए। हालांकि दोपहर में तापमान बढ़ने से ये गर्म कपड़े उतरकर बच्चों के बैग में पहुंच जाते हैं। श्रीगंगानगर इलाके में इन दिनों वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर दिखा रहा है। इसके चलते बुधवार को मौसम में अचानक बदलाव आया। पूरा दिन बादल छाए रहे तथा सर्दी के तेवर तीखे होते नजर आए। सर्दी बढ़ने से दिन में लोग स्वेटर, कोट और मफलर ओढ़े दिखाई दिए। वहीं घरों में चाय और कॉफी का उपयोग भी बढ़ा है।

बुधवार को दिन की शुरुआत तेज सर्दी के साथ हुई। सुबह नौ बजे के आसपास सूरज दिखा लेकिन कुछ ही मिनटों के बाद बादलों की ओट में छिप गया। इसके बाद पूरा दिन अधिकांश समय बादल छाय रहे। दिन में कुछ समय के लिए सूरज दिखा तो इसमें गर्मी का अहसास नहीं था। इन दिनों जिले के ग्रामीण अंचल में कोहरा नजर आने लगा है। खेतों में काम करने वाले किसान अल सुबह कोहरे का अनुभव कर रहे हैं। बुधवार को दिन में धूप बेहद कम समय के लिए खिली। ऐसे में तेजी सर्दी का असर बना रहा।

13 साल बाद शिविर में खातेदारी हक मिला

हनुमानगढ़, (कासं)। प्रशासन गांवों के संग अभियान के अंतर्गत बुधवार को पीलीबंगा की ग्राम पंचायत माणकथेड़ी में शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर प्रभारी और एसडीएम पीलीबंगा रणजीत कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत माणकथेड़ी में अभियान की प्रारंभिक तैयारियों के दौरान लगभग 13 साल से खातेदारी अधिकार से वंचित गुरविन्द्र सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह, जसविन्द्र सिंह को खातेदारी अधिकार देने हेतु चिन्हित किया गया।

इन किसानों के परिवार कृषि भूमि हेतु मिलने वाली योजनाओं व ऋण संबंधी लाभों से वंचित थे। शिविर के दौरान समस्त आवश्यक दस्तावेज तैयार कर शिविर प्रभारी एसडीएम रणजीत कुमार, तहसीलदार विनोद कुमार, राजस्व लेखाकार पंकज शर्मा, हल्का पटवारी अशोक कुमार द्वारा लाभार्थियों को खातेदारी सनद सौंपकर राहत प्रदान की गई।

डीजल जैसे पदार्थ से भरा गोदाम पकड़ा

- रसद विभाग की टीम ने सूरतगढ़ इलाके के गांव उदयपुर गोदारान में डीजल जैसे पदार्थ का एक गोदाम पकड़ा

श्रीगंगानगर, (कासं)। रसद विभाग की टीम ने सूरतगढ़ इलाके के गांव उदयपुर गोदारान में डीजल जैसे पदार्थ का एक गोदाम पकड़ा। गोदाम मालिक ने यहां ड्रमों में बड़ी मात्रा में डीजल जैसा पदार्थ भर रखा था।

पुलिस इस गोदाम तक मुखबिर की सूचना के जरिए पहुंची और बाद में रसद विभाग को बुलाकर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस ने थर्मल टी प्वाइंट के पास एक टैंकर पकड़ा था। जांच में इस टैंकर के पास कोई व्यक्ति नहीं मिला। इस पर पुलिस ने इसकी सूचना डीएसओ राकेश सोनी को दी थी। सोनी ने इस टैंकर में से चार सैंपल लेने के बाद इसमें चार हजार लीटर डीजल जैसा पदार्थ होने की पुष्टि की थी। इस मामले में अभी सैंपल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

टैंकर मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले में जांच की तो मुखबिर से इस टैंकर के उदयपुर गोदारान जाने और वहां खाली होने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस ने उदयपुर गोदारान का रुख किया और वहां मौके पर पहुंचकर डीजल जैसे पदार्थ से भरा गोदाम ही पकड़ लिया। यह टैंकर इसी गोदाम में लाया जा रहा था। पुलिस को मौके से एक व्यक्ति मनोज कुमार मिला। उसने बताया कि वह यह पेट्रोल जैसा पदार्थ इस तरफ आने वाले ट्रक और अन्य वाहन चालकों को बेचता है। सस्ता होने के कारण वाहन चालक इसे खरीद लेते हैं।

बुधी को शिविर में मिली पक्के आवास की सौगात

- पति को गुजरे 18 साल हो गए, बेटे की अलग रहते हैं

बीकानेर, (कासं)। प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत श्रीकोलायत के बीठनोक में आयोजित शिविर के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 में आवास प्लस की स्थायी सूची में बुधी देवी पत्नी स्व. गोपालराम का चयन किया गया।

अड़सठ वर्षीया बुधी देवी अपना घर बनाने में बिल्कुल असमर्थ थी। उनके पति को गुजरे हुए लगभग 18 वर्ष हो गए। आज उसके चारों बेटे अलग रह रहे हैं और तीन बेटियां अपने ससुराल जा चुकी हैं। वृद्धा ने बताया कि जब उसे प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली तो उम्मीद की किरण दिखाई दी। शिविर के दौरान ही प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पक्के आवास की स्वीकृति मिल गई तो लगा यह दिन उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा दिन है।

उसने कहा कि किस्मत रूठ गई तो सरकार सहारा बनी। योजना के तहत पात्र अभ्यर्थी को कुल 1 लाख 20 हजार रुपये प्राप्त होते हैं। इसमें से 15 हजार रुपये स्वीकृति के साथ ही खाते में जमा हो जाते हैं।

कैंसर जांच व परामर्श शिविर आयोजित

बीकानेर, (कासं)। एस.डी.एम. राजकीय जिला चिकित्सालय द्वारा बुधवार को कैंसर रोग की पहचान, जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया।

जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रवीण चतुर्वेदी ने बताया शिविर प्रभारी डॉ. संजय खत्री एवं विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा रोगियों की जांच की गई एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध करवाते हुए लोगों को कैंसर रोग के लक्षण एवं बचाव के उपायों के बारे में बताया गया। शिविर में पुरूषों के मुंह, फेफड़े, ग्रासनली और अमाशय के कैंसर तथा महिलाओं के गर्भाशय, स्तन और मुंह के कैंसर से संबंधित सभी जांचें की गई एवं आवश्यक उपचार बताए गए।

बीस दिन पहले सुरक्षा मांगने वाले युवक ने किया सुसाइड

- दलित की कटिंग नहीं करने के मामले में गवाही देने से कुछ लोग उसे परेशान कर रहे थे

बीकानेर, (कासं)। महज बीस दिन पहले पुलिस और प्रशासन को पत्र देकर खुद की सुरक्षा की गुहार करने वाले एक युवक की किसी ने नहीं सुनी तो उसने सुसाइड कर लिया।

दलित की कटिंग नहीं करने के मामले में गवाही देने से कुछ लोग उससे नाराज थे। लगातार परेशान कर रहे थे। सुसाइड के बाद मृतक की पत्नी ने पति के ताऊ और उसके बेटे पर गंभीर आरोप लगाये हैं। मृतक के परिजनों ने मोर्चरी से शव उठाने से इनकार कर दिया है। उसके बाद से पुलिस प्रशासन हरकत में है। सेरुणा थानाधिकारी रामचंद्र ढाका ने बताया कि श्रवण कुमार नायक ने जोधासर गांव में अपने ससुराल में सुसाइड कर लिया। उसकी पत्नी प्रियंका ने थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है कि उसके पति के ताऊ और भाई ने कुछ लोगों के साथ मिलकर सुसाइड के लिए उकसाया है। आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने पर नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

उधर श्रवण कुमार का शव बीकानेर के मोर्चरी में रखा गया। जहां से शव लेने से परिजनों ने इनकार कर दिया। परिजनों की मांग है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

मांगों को लेकर कर्मचारी संयुक्त महासंघ का धरना-प्रदर्शन

बीकानेर में मांगों को लेकर कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने उपखण्ड कार्यालयों पर धरना दिया।

बीकानेर, (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की प्रांतीय संघर्ष समिति के आव्हान पर 1 से 3 दिसम्बर तक पूरे राजस्थान में उपखंड अधिकारी कार्यालयों के आगे दिए जा रहे धरने के क्रम में बीकानेर में जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने कर्मचारी मैदान में ब्लॉक प्रभारी लक्ष्मीनारायण प्रजापत के नेतृत्व में धरना दिया गया।

धरने में जिला अध्यक्ष पृथ्वीराज लेघा, जिला महामंत्री देवराज जोशी, पूर्व जिला अध्यक्ष जयकिशन पारीक, चांदरतन सोलंकी, रामचंद्र सियाग, रामदयाल सींवर, देवेंद्र जाखड़, भंवर सांगवा, पवनदान चारण, विकास चौधरी, रामनिवास सिंबल, संदीप यादव, गजेंद्र रामावत आदि कर्मचारी नेता शामिल हुए। धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पृथ्वीराज लेघा ने कहा कि पिछले 3 वर्षों से कर्मचारी महासंघ आंदोलन धरना प्रदर्शन ज्ञापन कर रहा है। लेकिन राज्य सरकार द्वारा आज तक कर्मचारियों से संवाद कायम कर उनकी समस्याओं का सकारात्मक समाधान नहीं किया गया है। इसलिए पूरे प्रदेश के कर्मचारियों में आक्रोश है। महामंत्री देवराज जोशी ने बताया कि कर्मचारियों की वेतन कटौती व वसूली वापस लेने, पुरानी पेंशन लागू करने और संविदा ठेका कर्मचारियों को नियमित करने, रिक्त पदों पर भर्ती करने 8-16-24-32 पे स्केल लागू करने आदि मांगों को लेकर अब भी अगर सरकार ने समाधान नहीं किया तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जायेगा।

लेघा ने बताया कि बीकानेर जिले में लूणकरनसर, खाजूवाला, पूगल, बज्जू, कोलायत, नोखा, श्रीडूंगरगढ़ और बीकानेर में उपखंड कार्यालयों के सामने कर्मचारियों ने धरना देकर के अपना विरोध जाहिर किया। आज के धरने में पटवारी, ग्राम सेवक, शिक्षक, सहायक कर्मचारी, कृषि पर्यवेक्षक, पशु चिकित्सा कर्मचारी, आयुर्वेद विभाग के कर्मचारी, नर्सेज आदि वर्गों के कर्मचारी शामिल हुए।

सार-समाचार

गरीबों के आशियाने तोड़ने का विरोध

हनुमानगढ़, (कासं)। नगर परिषद द्वारा बुधवार जंक्शन कर वार्ड नम्बर 59 व 60 में तोड़े गए अतिक्रमणों के विरोध में स्थानीय पार्षद की अगुवाई में वार्डवासियों ने नगर परिषद की उक्त कार्यवाही के खिलाफ धरना शुरू कर दिया। खास बात यह है कि दोनों वार्ड में कांग्रेस पार्षदों के होते हुए नगर परिषद सभापति व विधायक चौधरी विनोद कुमार के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाये गए। पार्षद निरंजन नायक ने बताया कि वार्ड में अधिकांशत दिहाड़ी व मजदूरी पेशा लोग निवास करते हैं। सुबह जब उक्त लोग अपने काम पर गए हुए थे। उसके बाद नगर परिषद के अमले ने मकानों को अवैध कब्जा बताते हुए जेसीबी से धराशायी कर करते हुए सरकारी संपत्ति का बोर्ड लगा दिया। जबकि उक्त लोग लगभग 35 वर्षों से उक्त मकानों में निवास कर रहे हैं और इन लोगों को बिजली पानी का कनेक्शन सहित राशन कार्ड जारी किये हुए हैं। निरंजन नायक ने बताया कि नगर परिषद द्वारा गरीब परिवारों को उजड़ने के लिए की गई उक्त कार्यवाही किसी भी सूरत में सहन योग्य नहीं है। जब तक नगर परिषद गरीब परिवारों के हुए नुकसान की भरपाई नहीं करती तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इन दौरान पार्षद पति रमजान भाटी सहित भारी तादाद में वार्डवासी मौजूद थे।

बच्चों को स्कूल बैग वितरित

हनुमानगढ़, (कासं)। रेलवे लोको कॉलोनी स्थित एमआईएम पब्लिक स्कूल में बुधवार को अल्पसंख्यक विभाग राजस्थान द्वारा दिए गए स्कूल बैग्स का वितरण विद्यार्थियों को किया गया। लोको मस्जिद की नई कार्यकारिणी द्वारा विद्यार्थियों को बैग वितरित किये गए। कार्यकारिणी अध्यक्ष जावेद पठान ने बताया कि विद्यालय में सर्व समाज के बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जाती है। हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा तृतीय भाषा उर्दू, पंजाबी, संस्कृत एवं कम्प्यूटर की शिक्षा भी दी जाती है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाएं पोषाहार, निशुल्क पुस्तकें आदि बच्चों को मुहैया कराई जाती है। कार्यक्रम में अध्यक्ष जावेद पठान, उपाध्यक्ष अफसार आलम, सचिव फिरोज खान, कैशियर नसीम अहमद, कार्यकारिणी सदस्य असलम तंवर, आमिर खान, रमजान खान स्कूल स्टाफ, अमनदीप सिंह, राजपाल कौर, प्रियंका शर्मा, अब्दुल बारीक आदि मौजूद थे।

फिल्मों के पोस्टर बैनर का विमोचन

बीकानेर, (कासं)। नौशाद एकेडमी ऑफ हिन्दुस्तानी संगीत संगीत व अमन कला केन्द्र द्वारा 4 व 5 दिसम्बर सुदर्शन कला दीर्घा नागरी भंडार मैं प्रस्तावित सिनेमा के साल ओल्ड फिल्म पोस्टर प्रदर्शनी के बैनर का विमोचन होटल रॉयल इन रानी बाजार में किया गया। संस्था के अध्यक्ष एम रफीक कादरी ने बताया इस विमोचन समारोह में समाजसेवी इकबाल हुसैन समेजा, एन. डी. रंगा, डॉ मीना आसोपा, अनवर अजमेरी, एम. दाऊद बीकानेरी, डॉ सुधीर शर्मा, अशोक सोनी जसमतिया एम रफीक कादरी उपस्थित थे। इस प्रदर्शनी में पुराने फिल्मों के पोस्टर प्रदर्शित किए जायेंगे व फिल्म संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। हिट फिल्म पोस्टर प्रदर्शनी में बच्चों को अवश्य साथ लाएं ताकि वह भी पुराने फिल्मी पोस्टरों का जमाना देख पाए।

संतों ने कपिल मुनि के दर्शन किए

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर स्थित रामझरोखा कैलाश धाम में आयोजित श्री नर्मदा महायज्ञ एवं संगीतमय श्री नर्मदा पुराण आयोजन की पूर्णाहुति मंगलवार को हो गई थी। बुधवार को परम पूज्य गुरुदेव रामदास महाराज व महामंडलेश्वर सरजूदास महाराज के साथ अनेक संतों ने श्रीकोलायत में भगवान कपिल मुनि के दर्शन किए तथा सरोवर में पूर्णाहुति सामग्री प्रवाहित की। सरजूदास महाराज ने बताया कि पुष्पांजलि व व विशेष पूजन भी किया गया। इसके बाद कोडमदेसर धाम में बाबा भैरुनाथ को धोक लगाकर विश्व कल्याण की अरदास की गई।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, नोखा (बीकानेर)

क्रमांक:-नं.पा.नो./भूमि/2021-22/9167

दिनांक 01.12.2021

निलामी- सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका नोखा द्वारा वार्ड नम्बर 24 में नागौर रोड़ से पश्चिमी तरफ ब्लॉक में IDSMT व्यावसायिक योजना के पास की पार्ट प्लान व्यावसायिक योजना में व्यावसायिक भूखण्डों की सार्वजनिक निलामी भूमि निष्पादन नियम 1974 के नियमों के अन्तर्गत 99 वर्षीय लीज के आधार पर नीचे अंकित दिनांक को कार्यालय नगर पालिका भवन नोखा मे प्रात: 11.30 बजे से सांय 5 बजे तक की जायेगी। निलामी में व्यावसायिक भूखण्ड खरीद करने के इच्छुक नागरिक निर्धारित धरोहर राशि जमा करवा कर इस शुभ अवसर पर व्यावसायिक भूखण्ड क्रय करने का लाभ उठावें। निलामी सम्बन्धित अन्य शर्ते नगर पालिका कार्यालय भवन में किसी भी कार्य दिवस को देखी जा सकती है।

क्रं. स.	नाम स्थल व वार्ड संख्या	किस्म भूखण्ड	भूखण्ड संख्या	कुल भूखण्डों की संख्या	अनुमानित क्षेत्रफल प्रति भूखण्ड	प्रति भूखण्ड धरोहर राशि	निलामी दिनांक
1	2	3	4	5	6	7	8
1	वार्ड नं.24. में नागौर रोड़ से पश्चिमी तरफ ब्लॉक में IDSMT व्यावसायिक योजना के पास की पार्ट प्लान व्यावसायिक योजना	व्यावसायिक	1,2,3 एव 4	04	236.66वर्गफूट	100000/-	24.12.2021

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, नोखा

मांगों को लेकर बीएसएनएल अधिकारियों का काले बैज पहनकर विरोध-प्रदर्शन

बीकानेर, (कासं)। बीएसएनएल अधिकारियों के संयुक्त मंच के राष्ट्रीय आव्हान के तहत विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को बीकानेर में भी पब्लिक पार्क स्थित महाप्रबन्धक, बीकानेर व्यवसाय क्षेत्र कार्यालय के गेट पर भोजनावकाश में काले बैज पहनकर विरोध- प्रदर्शन कर सभा का आयोजन किया गया।

बीएसएनएल बीकानेर के अधिकारी संयुक्त मोर्चे के जिला प्रवक्ता ताहिर हुसैन ने बताया कि यह प्रदर्शन मांगों के निराकरण को लेकर किया गया। जिला प्रवक्ता ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कोविड-19 की गाइडलाइन की पालना करते हुए एक सभा का आयोजन किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए सभी वक्ताओं ने एक स्वर में बीएसएनएल के प्रति सरकार की नकारात्मक सोच की भर्त्सना की गई तथा एकजुट होकर संघर्ष करने का आव्हान किया गया।

इस अवसर पर एसएनईए के जिला अध्यक्ष भूपेश खत्री, जिला संयुक्त सचिव योगेश माथुर, एआईजीईटीओए के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र चिनिया, राकेश पायल, सेवा के जिला सचिव मनोज चौहान, संयुक्त मोर्चे के जिला प्रवक्ता ताहिर हुसैन, इन्द्र सिंह, विनोद स्वामी, विकास शर्मा, अजय बलोनी, दिनेश व्यास, विरेन्द्र गोठवाल, गिरीराज व्यास, घनश्याम गहलोत, राहुल चौहान, दुष्यंत भटनागर, चित्रा स्वामी, पल्लवी परिहार समेत कई अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर अधिकारियों ने केन्द्र सरकार मुर्दाबाद, संचार मंत्री मुर्दाबाद, बीएसएनएल प्रबन्धक बोर्ड मुर्दाबाद के नारे लगाकर रोष जताया।

बीकानेर में बुधवार को बीएसएनएल अधिकारियों ने मांगों को लेकर महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष भोजनावकाश में प्रदर्शन किया।

मांगों में आज तक के सभी पात्र बीएसएनएल अधिकारियों को बिना किसी और देरी के तुरंत पदोन्नत किया जाना चाहिए। बीएसएनएल बोर्ड द्वारा 28 मई 2018 को अनुमोदित नीति के अनुसार एजीएम समकक्ष ग्रेड तक की समयबद्ध कार्यात्मक पदोन्नति नीति, अर्थात बीएसएनएल कार्यकारी पदोन्नति नीति संशोधन और भर्ती नियम-2017 एक जुलाई 2018 से प्रभावी तुरंत लागू किया जाए। पुनर्गठन आदेश 17 व 23 नवम्बर 2021 और उसके बाद के आदेशों को तुरंत वापस ले लिया जाना चाहिए। एक मानव संसाधन योजना के लिए हितधारकों के साथ तत्काल चर्चा शुरू होनी चाहिए जो संगठन की जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। विभिन्न ग्रेड में अधिकारियों के पदों की संख्या में भारी कमी को तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए और संघों के इनपुट पर दृढ़ता से विचार किया जाना चाहिए।

- सभी तदर्थ उप महाप्रबंधक को नियमित उप महाप्रबंधक बनाने सहित कई मांगें

एसडीई समकक्ष संवर्ग में प्रोन्नति के लिए जेटीओ,जेएओ समकक्ष संवर्ग में 12 वर्षों के ठहराव मानदंड को वापस लिया जाना चाहिए। इसे पूर्व अनुमोदित समयबद्ध पदोन्नति नीति के अनुरूप बनाने के लिए फिर से विचार किया जाना चाहिए। ई 1 और ई 2 के मध्यवर्ती वेतनमानों को प्रतिस्थापित करते हुए डीओटी द्वारा ई 2 और ई 3 के मानक वेतनमानों को अनुमोदित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

प्रबंधन प्रशिक्षु भर्ती और डीआर डीजीएम भर्ती को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाना चाहिए। संगठन में जेटीओ एवं जेएओ समकक्ष से ऊपर के किसी भी स्तर पर कोई पार्श्व भर्ती नहीं की जानी चाहिए। संगठन के मेधावी और प्रतिभाशाली अधिकारियों के लिए आंतरिक फास्ट-ट्रैक पदोन्नति नीति पेश की जानी चाहिए। सभी तदर्थ उप महाप्रबंधक को नियमित उप महाप्रबंधक बनाया जाना चाहिए। इसके बाद, सभी डीजीएम पदों को सेवा में एकमुश्त छूट द्वारा नियमित आधार पर भरा जाना चाहिए।

यशपाल गहलोत फिर शहर कांग्रेस अध्यक्ष बने

बीकानेर, (कासं)। शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी एक बार फिर यशपाल गहलोत को दी गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस की ओर से बुधवार शाम जारी सूची में यशपाल गहलोत के नाम पर मुहर लगने के साथ ही समर्थकों में खासा जोश देखने को मिल रहा है। पिछले दस साल से यशपाल ही शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं।

इस बार अध्यक्ष पद की दावेदारी में कैबिनेट मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला के भतीजे अनिल कल्ला का नाम प्रमुखता से चल रहा था। वहीं कल्ला समर्थक सुशील थिरानी के नाम को लेकर भी काफी चर्चा थी। इसके अलावा अरविन्द मिढ्ढा, रवि पुरोहित, मकसूद अहमद सहित कई नामों पर लगातार चर्चा हो रही थी। पिछले दिनों प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द डोटासरा बीकानेर आए तो अनिल कल्ला सहित सभी दावेदारों ने अपने प्रस्ताव दिए थे।

बीकानेर यूआईटी चेयरमैन पद की दावेदारी में यशपाल गहलोत का नाम प्रमुखता से चल रहा था। अब इस लिस्ट से यशपाल का नाम हट गया है, क्योंकि उन्हें एक पद मिल गया। हालांकि अध्यक्ष पद के अन्य दावेदारों का नाम यूआईटी चेयरमैन पद पर नहीं है। ऐसे में इन कार्यकर्ताओं को अब कुछ साल इंतजार ही करना होगा। प्रदेश की राजनीति में यशपाल गहलोत पिछले विधानसभा चुनाव में चर्चा में आये थे।

सार-समाचार

फसल बीमा के प्रचार रथ रवाना

बीकानेर, (कासं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) बलदेव राम धोजक ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान धोजक ने कहा कि यह प्रचार रथ जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में योजना का प्रचार प्रसार करेंगे। जागरूकता का यह अभियान 25 दिसम्बर तक चलेगा। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ उदयभान ने बताया कि योजना के तहत बैंकों द्वारा ऋणी कृषकों का बीमा 31 दिसम्बर तक किया जायेगा। जो ऋणी कृषक इस योजना से बाहर रहना चाहते हैं, उनको संबंधित बैंक में 24 दिसम्बर तथा जो ऋणी कृषक फसल में परिवर्तन करवाना चाहते हैं, उन्हें 29 दिसम्बर तक इसकी लिखित जानकारी देनी होगी। गैर ऋणी कृषक योजना के तहत बैंक या सीएससी के माध्यम से 31 दिसम्बर तक बीमा करवाया जा सकेगा। उप निदेशक कृषि (विस्तार) कैलाश चौधरी ने कहा कि गैर ऋणी कृषकों को फसल बीमा करवाने के लिए आधार कार्ड, नवीनतम जमाबंदी, बैंक डायरी व बुआई प्रमाण पत्र आदि साथ लाने होंगे। अधिक जानकारी के लिए कृषि विभाग के नजदीकी कार्यालय या बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 1800-200-5142 से सम्पर्क कर सकते हैं। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश, सहायक निदेशक कृषि रामकिशोर मेहरा, सहायक निदेशक (उद्यान) जयदीप दोगने तथा जिला समन्वयक यूएसजीआई नितेश राय आदि उपस्थित थे।

फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाई

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने आज उन हजारों विद्यार्थियों को शिक्षा का बेहतरीन अवसर प्रदान किया है। जिन विद्यार्थियों का कक्षा 10 वीं और 12 वीं का फॉर्म भरना रह गया था। गौरतलब है कि सामान्य दिनों में भी विलम्ब परीक्षा शुल्क के साथ फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 30 नवम्बर थी लेकिन इस साल उसको 22 नवम्बर कर दिया गया था। अब उसको बढ़ाकर 10 दिसम्बर कर दिया गया है। दो दिन पहले डॉ कल्ला के सामने जब यह बात आई और उन्हें पता चला कि कोरोना और डेंगू के कारण हजारों विद्यार्थी विलम्ब शुल्क में भी फॉर्म भरने से रह गए। क्योंकि उनको पता नहीं था कि इस बार तारीख 22 नवम्बर कर दी गई है। जब वे फॉर्म भरने गए तो निराश होकर लौटे। लेकिन उन हजारों विद्यार्थियों को एक और अवसर देते हुए विलम्ब परीक्षा शुल्क की तिथि बढ़ाकर 10 दिसम्बर करते हुए डॉ कल्ला ने ना सिर्फ अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया है। बल्कि यह भी जता दिया है कि शिक्षा के अवसर सबको मिलने चाहिए। आज जारी आदेशों की सूचना मिलने के बाद उन बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी राहत की सांस लेने का अवसर मिला है, जिनको लगता था कि इस बार उनकी संतान पेपर नहीं दे पायेगी। प्रवक्ता नितिन वत्सस ने डॉ कल्ला के इस नेक कार्य के लिए आभार जताया। साथ ही बहुत से स्कूल संचालकों ने भी इस निर्णय की भूरी-भूरी प्रसंशा की है।

एड्स के बारे में जानकारी दी

श्रीगंगानगर, (कासं)। एड्स के प्रति जन जागरूकता पैदा करने के लिए विश्व में हर वर्ष एक दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इसी के चलते बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस वर्ष की थीम 'असमानता को समाप्त करें, एड्स महामारी को समाप्त करें' रखी गई थी। विभाग की ओर से जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थानीय बी. आर. अम्बेडकर कॉलेज में आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का भी योगदान रहा। सीएमएचओ डॉ. गिरधारी लाल मेहरड़ा ने बताया कि एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। हमें बीमारी के साथ-साथ इस बात के लिए भी जागरूक होना है कि यदि कोई एड्स पीड़ित है तो उससे भेदभाव नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह बीमारी हमारी स्वयं या किसी अन्य की लापरवाही से किसी को भी हो सकती है। एड्स डीपीओ डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने कहा कि एड्स की सही जानकारी होने पर इससे बचा जा सकता है। जबकि जानकारी के अभाव में जाने अनजाने लोग एचआईवी संक्रमण से ग्रसित हो जाते हैं। जिससे संक्रमित व्यक्ति को जीवन पर्यन्त एचआईवी वायरस के साथ जीना पड़ता है और धीरे-धीरे एड्स अवस्था में पहुंच जाता है। उन्होंने बताया कि असुरक्षित यौन संबंध बनाने, संक्रमित सुई या सिरिंज के उपयोग, संक्रमित रक्त व रक्त के उत्पादों और संक्रमित गर्भवती महिला से उसके होने वाले शिशु को एचआईवी संक्रमण हो सकता है। इससे बचने के लिए जीवन साथी के प्रति वफादारी एवं यौन संबंध बनाते समय कंडोम का उपयोग, हर बार नई सुई व सिरिंज का उपयोग, मान्यता प्राप्त ब्लड बैंक से रक्त तथा गर्भवती महिला को समय से जांच एवं नियमित एआरटी का सेवन करना चाहिए। हनुमानगढ़ में भी विश्व एड्स दिवस पर बुधवार को कृषि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। महाविद्यालय के डीन डॉ. निर्मल सिंह दहिया बताया कि विश्व एड्स दिवस 2021 की थीम "असमानताओं को समाप्त करें, एड्स का अन्त करें"।

चुनाव का कार्य स्वतंत्र, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में हो : हुसैन

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जाकिर हुसैन ने कहा कि चुनाव एक महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें आयोग के निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाये तथा जिले में चुनाव का कार्य स्वतंत्र, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न होने चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी बुधवार को एस. डी. बिहाणी संस्थान में मतदान दलों के प्रथम प्रक्षिशण के अवसर पर आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र में मतदाता मास्क लगाकर ही आये तथा मतदान केन्द्र पर सैनेटाइजर इत्यादि की व्यवस्था होनी चाहिए। मतदान ऐजेंटों के बारे में भी आयोग के निर्देशों की पालना की जाये। उन्होंने कहा कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव से इन चुनावों की व्यवस्थाएं अलग होती है। उन्होंने कहा कि मतदान का समय प्रातः 7.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक है।

मतदान दलों को समय सीमा का पूरा ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जो जानकारी व दिशा निर्देश बताए जा रहे है। उनकी पूरी पालना की जाये। चुनाव के दौरान जिन कार्यों की मनाही है, वे नहीं होने चाहिए तथा मतदान दल को बिना किसी के प्रभाव में स्वतंत्रता व निष्पक्ष चुनाव का कार्य करवाना चाहिए।

गंगानगर कलेक्टर जाकिर हुसैन व एस. पी. आनन्द शर्मा ने पंचायत राज चुनाव के लिये ईवीएम प्रशिक्षण का निरीक्षण किया।

मतदान दलों के लिये मतदान केन्द्र पर ठहरने, गर्म पानी व बिस्तर की व्यवस्था प्रशासन की ओर से की गई है। किसी भी मतदान दल के कार्मिक को किसी भी परिचित या रिश्तेदार के नहीं जाना है। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र पर किसी प्रकार की कोई बात होने पर सैक्टर मजिस्ट्रेट व जोनल मजिस्ट्रेट आपकी मदद के लिये रहेंगे। उन्हें जानकारी दे। पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने कहा कि पंचायती राज चुनाव के दौरान मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किये गये हैं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर खिलाड़ियों का स्वागत

अनूपगढ़, (कासं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 72 जीबी के खिलाड़ियों का एथलेटिक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर स्वागत किया गया।

जानकारी के अनुसार विद्यालय के खिलाड़ियों ने गत दिनों पहले बाड़मेर में आयोजित 65वी राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान खिलाड़ियों के वापस अनूपगढ़ पहुंचने पर स्वागत किया गया। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ी मोईन खान ने 19 वर्ष आयु वर्ग के 5 किलोमीटर पैदल वाक में दूसरा तथा 17 वर्ष आयु वर्ग में अमन वर्मा ने पोल जंप में तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस दौरान खिलाड़ियों का कोच अवतार सिंह, सरपंच मंगलाराम, वरिष्ठ अध्यापक मदनलाल, नरेंद्र कुमार नागपाल, समाजसेवी चिरंजीलाल सहित जनप्रतिनिधियों, स्टाफ ने माला पहनाकर अभिनन्दन किया।

तीन दिन चलेगा ऊंट उत्सव, धोरों पर नाचेंगे ऊंट, होंगी प्रतियोगिताएं

- कलेक्टर की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित

बीकानेर, (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव इस बार तीन दिनों तक चलेगा। पहले दिन पुराने शहर से लेकर सूरसागर तक हैरिटेज वॉक निकलेगी। दूसरे दिन के कार्यक्रम डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में होंगे। वहीं एक दिन की सभी गतिविधियां रायसर के धोरों में आयोजित होंगी।

इस दौरान बर्ड फेस्टिवल तथा अमृता हाट का आयोजन होगा। प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या आयोजित होगी। शहर के सार्वजनिक स्थलों पर विशेष साज-सज्जा की जायेगी। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने बुधवार को ऊंट उत्सव की तैयारी बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीकानेर की कला, संस्कृति, खानपान और पर्यटन विकास की संभावनाओं के मद्देनजर महोत्सव को वृहद् स्तर पर आयोजित किया जायेगा। इसमें बड़ी संख्या में देशी और विदेशी मेहमान भागीदारी निभाएं, इसके प्रयास होंगे। उन्होंने कहा कि यह उत्सव 7 से 9 जनवरी तक आयोजित किया जायेगा। इसके तीन दिनों के कार्यक्रमों के प्रस्ताव गुरुवार तक उपलब्ध करवाने के निर्देश पर्यटन विभाग के अधिकारियों को दिए। मेहता ने कहा कि महोत्सव के पहले दिन हैरिटेज वॉक होगी। यह पुराने शहर से होकर सूरसागर पहुंचेगी। जहां सांस्कृतिक संध्या के साथ पहले दिन के कार्यक्रमों का समापन होगा। वहीं दूसरे दिन के कार्यक्रम डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में आयोजित होंगे। बीकानेर में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए इस बार एक दिन के सभी कार्यक्रम रायसर के धोरों में आयोजित किए जायेंगे। इस दौरान ऊंट नृत्य एवं अन्य प्रतियोगिताएं होंगी। इन कार्यक्रमों को शीघ्र ही अंतिम रुप दे दिया जायेगा।

जिला कलक्टर ने कहा कि महोत्सव आयोजन से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए इसे सफल बनाने में जुट जाएं।

निराश्रित बच्चों के लिए सरकार बनी पालनहार

बीकानेर, (कासं)। प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत श्रीकोलायत के बीठनोक में आयोजित शिविर में पालनहार योजना के तहत जीतू देवी पत्नी स्व. चौनाराम को चयनित किया गया। योजना के प्रावधान के तहत जीतू देवी को एक हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से प्रत्येक बच्चे के पालन पोषण के लिए उनके खाते में जमा करवाए जायेंगे।

जब पालनहार का प्रमाण पत्र उनके हाथों में दिया गया तो उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे। जीतू देवी ने बताया कि जब पति गुजर गये तो लगा कि सारी दुनिया ही उजड़ गई। तीन बच्चों की जिम्मेदारी मुझ पर बहुत ही भारी थी। उसने बताया कि वह तो अनपढ़ है लेकिन बच्चे अनपढ़ ना रहें इसलिए मजदूरी करके बच्चों को अच्छी परवरिश देने का प्रयास किया। उसने बताया कि जब पालनहार योजना के बारे में विद्यालय से पता चला तो कुछ हिम्मत बंधी। अब इस योजना से वह भी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और अच्छा पालन पोषण कर सकूंगी। ऐसा कहकर जीतू देवी आंखों में आंसू लिए सरकार को बार-बार धन्यवाद दे रही थी। वहीं लूणकरणसर की ग्राम पंचायत पीपेरा में शिविर 7 दिसम्बर के स्थान पर 11 दिसम्बर को आयोजित होगा। शिविर की तिथि में बदलाव किया गया है।

कौशिक ने पदभार संभाला

श्रीगंगानगर,(कासं)। जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पद पर मनोनीत जोगेन्द्र कौशिक ने बुधवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

इस अवसर पर समिति के सदस्य भी उपस्थित थे। राज्य सरकार के बाल अधिकारिता द्वारा किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 27 एवं किशोर न्याय आदर्श नियम 2016 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों के प्रकरणों की जांच, सुनवाई एवं निपटान के लिए बाल कल्याण समिति श्रीगंगानगर के लिए जोगेन्द्र कौशिक का अध्यक्ष के लिए मनोनयन करने के बाद बुधवार को कौशिक ने पदभार संभाल लिया है।

ट्रक से 13 क्विंटल डोडा पोस्त और 4 किलो अफीम बरामद

- आरोपी भीलवाड़ा से नशे की खेप लाया था और पंजाब में सप्लाई करने वाला था लेकिन पकड़ा गया

हनुमानगढ़, (कासं)। नशीले पदार्थों की तस्करी की सूचना पर नाकाबंदी की। इस दौरान जयपुर से आ रहे ट्रक को रूकवाया गया। पुलिस को देखकर तस्कर भागने लगा लेकिन पुलिस ने घेरकर पकड़ लिया। ट्रक की तलाशी में 65 कट्टों में 13 क्विटल डोडा पोस्त छिलका मिला।

पल्लू थाना प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि तिरपाल के नीचे कपड़े के थैले में रखी चार सफेद प्लास्टिक थैलियों से 4 किलो 400 ग्राम अफीम बरामद की गई। इस पर तस्कर मुखत्यार सिंह उर्फ मुखा (62) पुत्र बलबीर सिंह उप्पल निवासी पंजाब को गिरफ्तार किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी भीलवाड़ा से नशे की खेप लाया था और पंजाब में सप्लाई करने वाला था।

मादक पदार्थों की तस्करी में लगे ट्रक में थर्मोप्लास्ट और अन्य वैरायटी के पेंट भी लदे हुए थे। ट्रक ड्राइवर के पास इनकी बिल्टी थी और इसे दिखाकर वह पूरा प्रदेश क्रॉस कर गया। ड्राईवर को खुद पर इतना भरोसा था कि मादक पदाथों के कट्टे छिपाने की कोशिश भी नहीं की। पेंट के डिब्बों के ऊपर डालकर तिरपाल से ढक दिया और भीलवाड़ा से निकल गया। सूत्रों को अनुसार जिस व्यक्ति ने भीलवाड़ा में मादक पदार्थ लदवाए थे। वही बठिंडा में आकर डिलीवरी लेने वाला था। ऐसे में अंदेशा है कि सप्लायर किसी अन्य वाहन से भीलवाड़ा के लिए रवाना हुआ। अब पुलिस उसकी धरपकड़ का प्रयास कर रही है। मामले की जांच नोहर थाना प्रभारी रविंद्र नरूका को सौंपी गई।

गांवों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं केवल उन्हें तरासने की जरूरत है : महिया

श्रीडूंगरगढ़, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ तहसील के धीरदेसर पुरोहितान गांव की राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय की छात्राओं ने राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में स्वर्ण व सिल्वर पदक जीत कर परचम फहराया है। गांव की बालिकाओं को राज्य स्तर पर मिली सफलता पर गांव में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह में क्षेत्रीय विधायक गिरधारीलाल महिया ने छात्राओं का सम्मान कर शुभकामनाएं दी। गांव की रुकमणी भूकर, निशा सुथार, आयना मेघवाल ने डूंगरपुर के सूरजपुर गांव में संस्कृत शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग लिया था। इसमें रुकमणी भूकर ने 19 वर्षीय वर्ग में गोला व तश्तरी फेंक खेलों में स्वर्ण पदक हांसिल किए। इसी तरह निशा सुथार ने 2 सौ मीटर दौड़ जूनियर वर्ग प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक व आयना मेघवाल ने 2 सौ मीटर दौड़ सीनियर वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक महिया ने कहा कि गांवों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। केवल उनको तरासने व निखारने की जरूरत है।

श्रीडूंगरगढ़ तहसील के धीरदेसर पुरोहितान गांव में विधायक गिरधारी महिया ने राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में स्वर्ण व सिल्वर पदक जीतने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि बेटियां भी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। आज के दौर में बेटियों को भी पूर्ण शिक्षित करें। समाज सेवी तोलाराम जाखड़ ने कहा कि बालिकाओं ने राज्य स्तर पर इस क्षेत्र का नाम रोशन किया है और साबित किया है कि मेहनत व लगन से हर प्रतियोगिता को जीता जा सकता है।

- विधायक गिरधारीलाल महिया ने छात्राओं का सम्मान कर शुभकामनाएं दी

सरपंच ओमप्रकाश सारस्वत ने कहा कि बालिकाओं की इस सफलता से अन्य बालिकाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित कुमार व प्रतियोगिता में दल प्रभारी रही सुमन चरण ने बताया कि कक्षा 10 वीं की छात्रा भूकर ने संभागीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने के बाद राज्य स्तर पर भी अपनी प्रतिभा को उजागर किया है।

इससे पूर्व गांव में विजय जुलूस निकाला गया। जिसमें बैंड बाजा के साथ नाचते ग्रामीण महिला, पुरूष, युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और पुष्प व गुलाल बरसाया।

वैक्सीनेशन महाभियान 4 को, एक लाख टीके लगायेंगे

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर नथमल डिडेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में एसीएमएचओ डॉ. पवन कुमार, आरसीएचओ डॉ. विक्रमसिंह, समस्त बीसीएमओ, डीपीएम जितेन्द्र सिंह राठौड़, डीएनओ सुदेश जांगिड़, डीएसी संदीप बिश्नोई, सीओ-आईईसी मनीष शर्मा, जिला वैक्सीन स्टोर के डॉ. कुलदीप बराड़, समस्त बीपीएम, सीएचसी इंचार्ज आदि उपस्थित थे।

जिला कलेक्टर नथमल डिडेल ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द राज्य के सौ प्रतिशत नागरिकों के कोविड वैक्सीनेशन को लेकर गंभीर है। इसलिए हनुमानगढ़ जिले में 4 दिसम्बर को कोविड वैक्सीनेशन महाभियान का आयोजन किया जायेगा। इस महाभियान में जिले के एक लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया जायेगा। जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र सीवीसी, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, सब्जी मण्डी एवं सार्वजनिक स्थानों पर चिकित्सा विभाग द्वारा वैक्सीनेशन किया जायेगा। इस कार्य के लिए सभी जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी ड्यू लिस्ट के अनुसार अपनी-अपनी तैयारी कर लें। कोविड वैक्सीनेशन में अन्य सभी विभागों का पूरा सहयोग चिकित्सा विभाग को मिलेगा। सभी बीसीएमओ अधिक से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन करवाने को लेकर अपनी रणनीति बनाएं ताकि हम दूसरी बार एक लाख का आकड़ा प्राप्त कर सकें।

हनुमानगढ़ कलेक्टर नथमल डिडेल ने कोविड वैक्सीनेशन महा अभियान को लेकर अधिकारियों की बैठक ली।

उच्च शिक्षा में तबादलों के लिये प्रभावी नीति बनाई जाए : सीएम

कॉलेज व्याख्याताओं के एक हजार और पदों पर भर्ती की मंजूरी

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उत्कृष्ट मानव संसाधन तैयार करने की दृष्टि से प्रदेश में युवाओं को गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा मिले। इसके लिए अधिकारी ऐसा पुख्ता मैकेनिज्म तैयार करें जिससे सभी कॉलेजों में यूजीसी सहित अन्य मापदंडों की प्रभावी पालना सुनिश्चित हो। उन्होंने कॉलेज व्याख्याताओं के 1 हजार और पदों पर भर्ती की स्वीकृति देने के साथ ही नए कॉलेजों के भवन निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपए के बजट की मंजूरी भी दी।

■ नए कॉलेजों के भवन निर्माण के लिए 200 करोड़ का बजट को भी मंजूर किया

गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के करियर निर्माण को ध्यान में रखते हुए हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य में उच्च शिक्षा का स्तर अव्वल दर्जे का हो। उन्होंने कहा कि कॉलेजों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी कॉलेजों की दैनिक गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जा सकती है।

गहलोत ने निर्देश दिए कि राजकीय कॉलेजों में पढ़ाई की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए रिक्त पदों पर भर्ती एवं पदोन्नति की कार्यवाही को गति दें। उन्होंने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से कॉलेज शिक्षकों के करीब 1 हजार पदों पर चल रही भर्ती की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए। साथ ही उन्होंने 1 हजार और पदों पर भर्ती की स्वीकृति देते हुए इसकी प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में तबादलों के लिए प्रभावी नीति भी बनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन कॉलेजों के भवन निर्माण के लिए भूमि का आवंटन हो चुका है, उनका निर्माण कार्य दो माह में आवश्यक रूप से शुरू हो। साथ ही शेष कॉलेजों के भूमि आवंटन प्रकरणों की मुख्य सचिव के स्तर पर समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ स्थानों पर नहीं जाना पड़े। इस उद्देश्य से सरकार ने विगत तीन वर्षों में 123 नए राजकीय महाविद्यालय खोले हैं। इन महाविद्यालयों के भवन-निर्माण, विभिन्न पदों पर भर्ती और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में मिशन भावना के साथ काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा प्रभावी सिस्टम विकसित किया जाए कि निजी कॉलेजों में यूजीसी एवं अन्य निर्धारित मापदंड आवश्यक रूप से पूरा होना सुनिश्चित हों। साथ ही इन कॉलेजों में कार्यरत फैकल्टी यूजीसी के नियमों के अनुरूप पात्रता पूर्ण करने वाली हो तथा उन्हें उनकी पात्रता के अनुरूप उचित वेतन सीधे उनके बैंक खातों में मिले।

श्री गहलोत ने महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेन्स एंड सोशल साइंसेज, हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय जयपुर तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर के भवन निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू कराए जाने के निर्देश दिए।

कांग्रेस क्या मारपीट को सत्ता चलाने का तरीका मानती है? : शेखावत

जयपुर। भरतपुर में गरीब ठेलेवाले की नगर निगम कर्मियों द्वारा पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूछा कि कांग्रेस क्या मारपीट को सत्ता चलाने का तरीका मानती है?

शेखावत ने कहा कि राजस्थान की सत्ता का सच दिखाता एक और वीडियो सामने आया है। भरतपुर में एक गरीब ठेलेवाले को नगर निगम कर्मी पीट रहे हैं। वहां निगम पर कांग्रेस का कब्जा है। अतः बताने की जरूरत नहीं, गरीब को मारने-पीटने की छूट कहां से मिली है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब कांग्रेस कहेगी वीडियो दिखाकर राजनीति की जा रही है। मैं जानना चाहता हूं कि एक गरीब आदमी से अमानवीयता को गलत बताना यदि राजनीति है तो फिर कांग्रेस क्या मारपीट को सत्ता चलाने का तरीका मानती है? क्या गहलोत सरकार के कायदे हिंसा से समझाए जाते हैं?

अशोक गहलोत झूठों के सरदार हैं : सतीश पूनिया

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मंत्रिमंडल के पुनर्गठन के बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने पलटवार किया है। भाजपा मुख्यालय पर पूनिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अशोक गहलोत झूठों के सरदार हैं। गहलोत और कांग्रेस पार्टी दोनों भी अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रही है। तीन साल बाद जिस शक्ल में मंत्रिमंडल का पुनर्गठन हुआ है और उसके बाद दयाराम परमार, भरत सिंह जैसे विधायक उस पर सवाल उठा रहे हैं। इससे साफ है कि अब कोई भी नेता मुख्यमंत्री की बात पर विश्वास नहीं करेगा।

पूनिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी वर्तमान में सभी कार्यक्रम 2023 के चुनाव को परिप्रेक्ष्य में रखकर कर रही है। ऐसे में शाह का संबोधन उसे और मजबूती देगा। पूनिया ने कहा कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक दोनों दिन तीन-तीन सत्रों में होगी। इस बैठक में सभी विधायक और सांसदों को भी बुलाया गया है। समापन सत्र को अमित शाह संबोधित करेंगे। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संबोधन सोशल मीडिया के जरिये लाइव किया जाएगा। ताकि प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ता उनके संबोधन को सुन सके।

गृहमंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में रंग-रोगन कराया जा रहा है।

14 महिला-पुरुषों को जयपुर फुट केन्द्र में कृत्रिम पैर और कैलीपर्स लगाये

नेपाल के बांके जिले के कोहालपुर कस्बे से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) में आये 14 महिला और पुरूषों का बुधवार को कृत्रिम पैर और कैलीपर्स आदि लगाकर पुर्नवास किया गया।

जयपुर, (कासं)। नेपाल के 14 महिला और पुरूषों का बुधवार को जयपुर फुट केन्द्र में कृत्रिम पैर और कैलीपर्स आदि लगाकर पुर्नवास किया गया। यह विकलांग नेपाल के बांके जिले के कोहालपुर कस्बे से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) में निःशुल्क कृत्रिम पैर और कैलिपर्स लगवाने के लिए विशेष तौर पर आए हैं। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने बताया कि जिन 14 नेपालियों को पुर्नवास किया गया उसमें ऐसे लोग थे जो वर्षो से कृत्रिम पैर और पोलियों पुर्नवास उपकरण के अभाव में कष्ट मय जीवन व्यतीत कर रहे थे।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि नेपाल में ऐसे सैकडों लोग जो जयपुर फुट चाहते हैं के लिए नेपाल विभिन्न शहरों में शिविर लगाकर उनका पुर्नवास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेपाल से जो जयपुर आकर कृत्रिम पैर लगवाना चाहते हैं वह भी समूह के रूप में आकर निःशुल्क सेवा ले सकते हैं।

भाजपा में प्रत्याशी चयन को लेकर बैठकों का दौर जारी

जयपुर। भाजपा मुख्यालय पर बुधवार को पंचायत चुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर बैठकों का दौर जारी है। माना जा रहा है कि आज या कल तक सभी जगहों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। प्रदेश मुख्यालय पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और राष्ट्रीय मंत्री हल्का गुर्जर सहित कई नेताओं के बीच टिकट चयन को लेकर चर्चा हुई।

इस दौरान राजेंद्र राठौड़ ने सरकार पर पंचायती राज संस्थाओं को पंगु बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 18 महीनों से लगातार पंचायती राज के चुनाव हो रहे हैं। राज्य वित्त आयोग के गठन में भी सरकार ने डेढ़ साल का समय लगा दिया। यही नहीं छठे वित्त आयोग से एक भी पैसा पंचायतों को नहीं मिला है। पंचायतों के लगातार चुनाव चल रहे हैं। चुनाव को कई टुकड़ों में चलाकर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके सरकार अपने हुए जनाधार को पाना चाहती है। भाजपा पूरे दमखम के साथ लड़ेगी और इन सारे विषयों को पंचायत चुनाव में जनता के समक्ष रखा जाएगा। राठौड़ ने कहा कि जल्द ही प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी।

प्रदेश में उन जिलों की संख्या बढ़ी जहां नए करोना संक्रमित मिल रहे हैं

राज्य में पहले 4 से 5 जिलों में नए संक्रमित मिल रहे थे, लेकिन अब इनकी संख्या 9 तक पहुंच गई

-कार्यालय संवाददाता-

■ प्रदेश में बुधवार को 21 नए संक्रमित मिले, इनमें सबसे ज्यादा 10 रोगी जयपुर में पाए गए हैं।

■ राज्य में एक्टिव केस बढ़कर दो सौ के पार हो गए हैं।

■ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में करोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की आशंका के मद्देनजर केन्द्र सरकार से बूस्टर डोज के संबंध में जल्द फैसला करने की अपील की है।

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसके चलते बुधवार को 9 जिलों में 21 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 10 रोगी जयपुर में पाए गए हैं। वहीं राज्य में एक्टिव केस बढ़कर दो सौ के पार हो गए हैं। इस बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में करोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की आशंका के मद्देनजर केन्द्र सरकार से बूस्टर डोज के संबंध में जल्द फैसला करने की अपील की हैं।

प्रदेश में बुधवार को थोड़ी और वृद्धि के बाद 21 नए करोना संक्रमित सामने आए है। इससे पहले मंगलवार को 15 मरीज मिले थे। वहीं आज सबसे ज्यादा 10 नए संक्रमित जयपुर में मिले हैं। इसके अलावा अलवर, जोधपुर व नागौर में 2-2, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर, भीलवाड़ा और सीकर में 1-1 नया रोगी मिला है। इस बीच राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 3 नए मरीज विद्याधर नगर इलाके में पाए गए हैं। वहीं आदर्श नगर व जगतपुरा में 2-2 और मुरलीपुरा, टोंक फाटक तथा विराट नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। जयपुर में आज मिले संक्रमितों में दो निजी स्कूल के बच्चे भी शामिल है। इनमें एक छात्रा पिछले 10 दिनों से स्कूल नहीं जा रही थी और ऑनलाइन ही पढ़ाई कर रही थी। इस बच्ची के परिवार में कुछ दिन पहले एक सदस्य संक्रमित मिला था, जिसके बाद आज बच्ची भी पॉजिटिव मिली है। बच्ची में करोना के हल्के लक्षण है। वहीं पॉजिटिव मिला दूसरा बच्चा ढहर के बालाजी स्थित एक निजी स्कूली में पढ़ता है। वह भी पिछले एक सप्ताह से स्कूल नहीं जा रहा था।

राज्य के 24 जिलों में करोना का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया। इनमें 18 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में बुधवार को 11 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 9 लाख 45 हजार 648 लोग स्वस्थ हो चुके है। बुधवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में फिर रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 203 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 115 मामले जयपुर में तथा 23 केस अजमेर में हैं। इसके अलावा 14 जिले अलवर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, दौसा, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद, सीकर और उदयपुर में 20 से कम एक्टिव केस हैं। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि इस बीमारी से अब तक 8955 लोगों मौत हो चुकी है।

उधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र सरकार से बूस्टर डोज के संबंध में जल्द फैसला करने की अपील की हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि केन्द्र सरकार बूस्टर डोज के संबंध में जल्द फैसला लें जिससे कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा सके।

भारत जूनियर विश्व कप हॉकी के सेमीफाइनल में

भुवनेश्वर, 01 दिसम्बर। गत चैंपियन भारत ने बेल्जियम की कड़ी चुनौती पर बुधवार को 1-0 से काबू करते हुए जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

पहला क्वार्टर गोलरहित रहने के बाद मैच का एकमात्र महत्वपूर्ण गोल शारदानंद तिवारी ने 21वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर किया और इस बढ़त को अंत तक बरकरार रखा।

मुकाबला काफी कड़ा रहा और दोनों टीमों ने जीत हासिल करने के लिए अपना सबकुछ दांव पर झोंक दिया। मैच में संघर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे क्वार्टर के गोल को छोड़कर दोनों टीमें बाकी तीन क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर सकीं।

भारत का सेमीफाइनल में तीन दिसम्बर को जर्मनी के साथ मुकाबला होगा जिसने एक अन्य क्वार्टरफाइनल में स्पिन के खिलाफ निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से जीत हासिल की।

तीन दिसम्बर को ही पहला सेमीफाइनल फ़्रांस और अर्जेंटीना के बीच खेला जाएगा। फ़्रांस ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया को 4-0 से और अर्जेंटीना ने हॉलैंड को 2-1 से पराजित किया।

टिमोथी की हैट्रिक से फ़्रांस सेमीफाइनल में

भुवनेश्वर, 01 दिसम्बर। कप्तान टिमोथी क्लेमेंट की शानदार हैट्रिक की बदौलत फ़्रांस ने मलेशिया को बुधवार को 4-0 से पराजित कर जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यहां कलिंगा स्टेडियम में खेले गए तीसरे क्वार्टरफाइनल में फ़्रांस ने पूरे समय मलेशिया पर अपना दबदबा बनाये रखा। फ़्रांस ने अपने चारों गोल पेनल्टी कार्नर पर दागे। क्लेमेंट ने 14वें ,24वें और 60वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। टीम का एक अन्य गोल माथिस क्लेमेंट ने पेनल्टी कार्नर पर 31वें मिनट में किया। मलेशिया की टीम अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद कोई गोल नहीं कर सकी।

शूटआउट में स्पेन को 3-1 से हरा कर जर्मनी सेमीफाइनल में

भुवनेश्वर, 01 दिसंबर। छह बार की विश्व विजेता जर्मनी की जूनियर पुरुष हॉकी टीम बुधवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन को शूटआउट में 3-1 से हरा कर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई। भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में सुबह 10.30 बजे खेला गया पहला क्वार्टर फाइनल मैच काफी रोमांचक और 2-2 से बराबर रहा, लेकिन जर्मनी ने शूटआउट में स्पेन से आगे निकल कर बाजी मार ली। मैच ड्रॉ होने के बाद हुए शूटआउट में जर्मनी ने तीन गोल दागे, जबकि स्पेन महज एक ही गोल कर पाया। दोनों टीमों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन जर्मनी पांचवें मिनट में गोल दाग कर 1-0 की बढ़त लेने में कामयाब रहा। क्रिस्टोफर कुटर ने पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए यह गोल दागा, हालांकि इसके कुछ ही मिनटों बाद स्पेन ने गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इग्नासिओ अबाजो ने 11वें मिनट में यह गोल किया। इसके बाद दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और तीसरे क्वार्टर तक गोल नहीं करने दिया। चौथा क्वार्टर भी गोल रहित जाता हुआ दिख रहा था, लेकिन स्पेन के एडवार्ड दे इग्नैशियो-सिमो ने 59वें और जर्मनी के मैसी फैंड्ट के 60वें मिनट में गोल दागा।

अर्जेंटीना ने हॉलैंड को 2-1 से हरा कर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

भुवनेश्वर, 01 दिसंबर। अर्जेंटीनियाई जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हॉलैंड (नीदरलैंड) को 2-1 से हरा कर यहां जारी एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

कलिंग स्टेडियम में बुधवार दोपहर को खेला गया यह दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों ही टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। दोनों का डिफेंस शानदार रहा, जिसकी बदौलत पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। दूसरे क्वार्टर में भी एक समय पर गोल की कोई उम्मीद नहीं लग रही थी, लेकिन जोकिन क्रूगर ने 24वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दाग कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। हॉलैंड भी हालांकि पीछे नहीं रहा और 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, जिसे माइल्स बुकेन्स ने गोल में तब्दील करने में चूक नहीं की। इसी के साथ दूसरे क्वार्टर का खेल 1-1 के स्कोर पर समापत हुआ। इसके बाद दोनों टीमों के बीच और कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। दोनों ने एक-दूसरे के डिफेंस को भेदने और गोल दागने की कई कोशिशें की, लेकिन दोनों ने ही एक-दूसरे को कामयाब नहीं होने दिया। तीसरा क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद चौथा और अंतिम क्वार्टर गोल रहित और मैच ड्रॉ होता लग रहा था।

ऑलराउंडरों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंचे जाडेजा

सात विकेट लेने वाले आफरीदी इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबादा और न्यूज़ीलैंड के नील वैगनर को पीछे छोड़ते हुए पांचवें स्थान पर पहुंचे

दुबई, 01 दिसम्बर। ऑलराउंडरों की टेस्ट रैंकिंग में भारत के रवींद्र जडेजा एक स्थान उठकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे अब केवल वेस्टइंडीज़ के जेसन होल्डर हैं। जाडेजा ने न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ कानपुर में ड्रा रहे पहले टेस्ट में अर्धशतक लगाया था और साथ ही पांच विकेट भी लिए थे।

गेंदबाज़ों की रैंकिंग में जाडेजा 19वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं,बंगलादेश के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर पाकिस्तान को आठ विकेट से जीत दिलाने वाले शाहीन शाह आफ़रीदी पहली बार आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं। इस मैच में सात विकेट लेने वाले आफरीदी इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबादा और न्यूज़ीलैंड के नील वैगनर को पीछे छोड़ते हुए पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आफ़रीदी ने जिन तीन खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है, उनमें दोबारा आगे निकलने का मौक़ा है। वैगनर अगर भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलते हैं तो उनके पास यह मौक़ा होगा। वहीं एंडरसन अगले सप्ताह से शुरू हो रही एशेज़ सीरीज़ में आगे निकल सकते हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के रबादा भारत के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू सीरीज़ में फिर से आगे बढ़ सकते हैं। वहीं आफरीदी के साथ हसन अली पांच स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हसन ने बंगलादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी में पांच विकेट समेत कुल सात विकेट लिए थे। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले काइल जेमीसन नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं टिम साउदी दूसरे स्थान पर मौजूद रविचंद्रन अश्विन से बस एक रेटिंग अंक पीछे रहते हुए तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नए कप्तान पैट कमिंस गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। बल्लेबाज़ों में टॉम लाथम और दिमुथ करुणारत्ने ने कानपुर टेस्ट और गॉल टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन करके रैंकिंग में सुधार किया है। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 95 और 52 रनों की पारी की बदौलत लाथम पांच स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अचिवर्स ने वेग्नस को 8-6 से हराया

जयपुर 01 दिसम्बर। विमल एरियोन अचिवर्स ने भावनगर पोलो ट्रॉफी में डॉर्स एण्ड वेग्नस को 8-6 से हरा दिया।

अचिवर्स के लिए डेनियस ओरामेगि ने तीन, पदमनाम सिंह ने दो, कुलदीप सिंह, अशोक चांदन और लोकेन्द्र ने एक-एक गोल किया। हौर्स एण्ड बेग्नस के लिए धुवपाल गोदारा के तिकडी सहित पांच जने सिद्धांत शर्मा न एक गोल किया।

कतर ने फीफा अरब कप के उद्घाटन दिवस पर किया दो विश्व कप स्टेडियमों का उद्घाटन

कतर, 01 दिसम्बर। कतर ने फीफा अरब कप 2021 के उद्घाटन के दिन दो फीफा विश्व कप 2022 स्टेडियम अल बेयत और 974 का उद्घाटन किया। पुरातनकाल में खाड़ी क्षेत्र में खानाबदोश लोगों द्वारा उपयोग में लिए जाने वाले तंबू से मिलते-जुलते 60,000 सीटों वाले स्टेडियम अल बेयत ने बहरीन के खिलाफ कतर की 1-0 से जीत की मेजबानी की। स्टेडियम एक साल के अंदर होने वाले कतर 2022 विश्व कप के उद्घाटन मैच की भी मेजबानी करेगा। अल बेयत के उद्घाटन में कतर के हिज हाइनेस अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने भाग लिया, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत की घोषणा की। अल बेयत के उद्घाटन के ठीक बाद, स्टेडियम 974 ने भी अपने पहले गेम की मेजबानी की। मुख्य रूप से शिपिंग कंटेनरों से बने 40,000-क्षमता वाला स्थल सीरिया के खिलाफ संयुक्त अरब अमीरात की 2-1 से जीत का मंच बना।

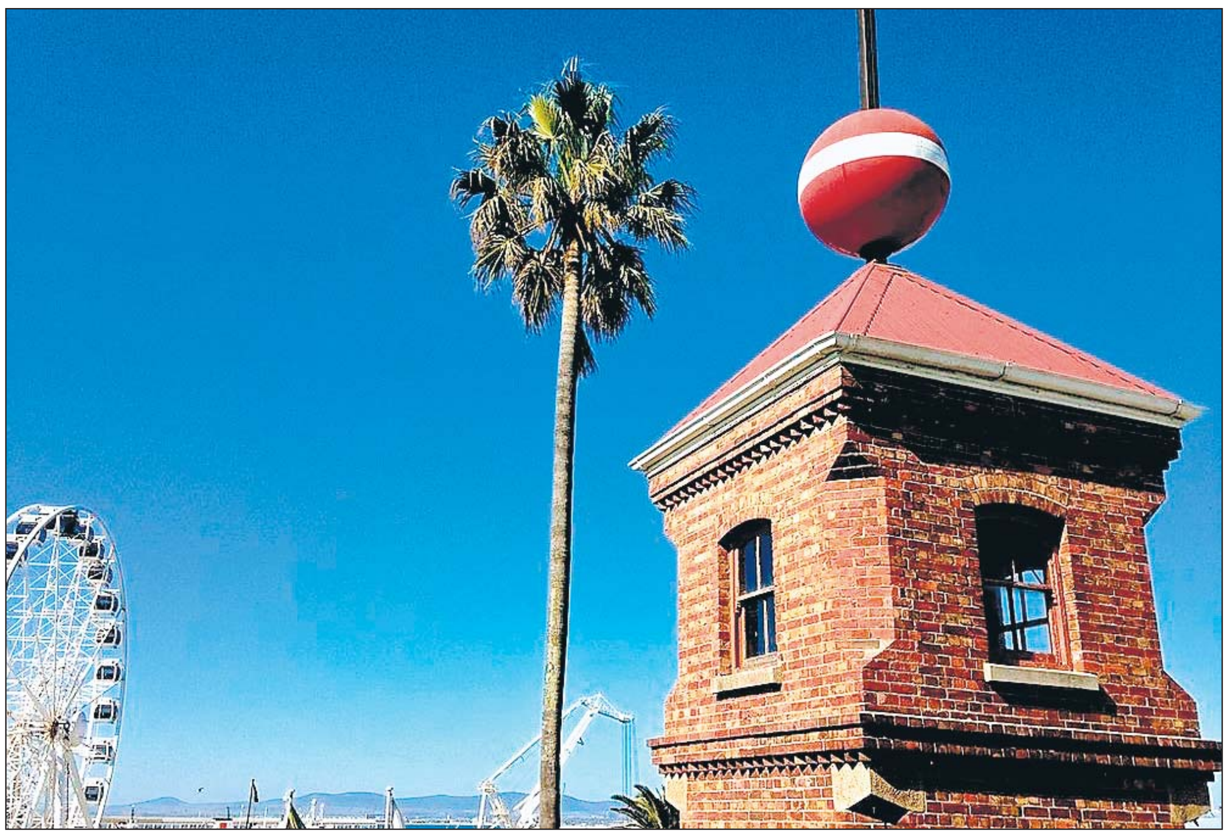

हर दिन दोपहर में एक बजने में जब पांच मिनट होते हैं तब लंदन में ग्रीनविच की ओल्ड आब्ज़र्वेटरी के फ्लैमस्टीड हाउस की छत पर लगी शोख नारंगी रंग की एक बॉल खंभे पर आधी नीचे आ जाती है, एक बजने में जब दो मिनट होते हैं तब यह ऊपर चली जाती है और ठीक एक बजे एकदम नीचे आ जाती है। जो भी इसे देख रहा होता है वह अपनी घड़ी का समय मिला सकता है। हालांकि आज के युग में तो सटीक समय जानने के लिए इन्टरनैट और जी.पी.एस. के अलावा कई तकनीक उपलब्ध हैं, पर विक्टोरियन काल में ''टाइम बॉल्स'' से ही समय जाना जाता था। उससे पहले तक लोग समय जानने के लिए चर्च के घंटों पर निर्भर रहते थे, पर वो एकदम सटीक समय नहीं बताते थे। हालांकि उस समय लोगों को सही समय जानने की इतनी जरूरत भी नहीं थी। सिर्फ पानी के जहाजों के कप्तानों को सही समय जानने की जरूरत होती थी। टाइम बॉल्स का विचार सबसे पहले रॉबर्ट वॉहोप ने प्रस्तावित किया था, जो यू.के. की नौसेना में कैप्टन था। रॉबर्ट ने बंदरगाहों पर टाइम बॉल लगाने का सुझाव दिया था ताकि सही समय का संकेत मिल सके। नाविक टैलिस्कोप से बॉल को देखकर जहाज का क्रोनोमीटर सैट कर सकते थे। पहली टाइम बॉल इंग्लैण्ड के पोर्ट्समाउथ बंदरगाह पर लगाई गई थी। यह इतनी सफल हुई कि, 1833 में, पहाड़ी पर बनी ग्रीनविच ऑब्ज़र्वेटरी में एक और टाइम बॉल लगाई गई जिसे आज भी देखा जा सकता है। अमेरिका में 1845 में यूनाइटेड स्टेट्स नेवल ऑब्ज़र्वेटरी, वॉशिंगटन, में पहली टाइम बॉल लगाई गई। ये टाइम बॉल्स प्रायः दिन में एक बजे खंभे पर नीचे गिरती थीं लेकिन अमेरिका में दिन में बारह बजे। समझा जाता है कि, बॉल ऑपरेट करने वाले एस्ट्रोनॉमर्स की वजह से दिन के बारह बजे की बजाय एक बजे का समय चुना गया। क्योंकि दोपहर 12 बजे सूर्य अपने चरम पर होता है और उस समय एस्ट्रोनॉमर्स बहुत व्यस्त होते हैं। दुनियाभर में बंदरगाहों पर आज भी 60 टाइम बॉल्स लगी हुई हैं, इनमें से कुछ काम भी कर रही हैं।

भाजपा का अकाली दल को भारी झटका

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं अकाली दल के वरिष्ठ नेता मनजिंदर सिंह सिरसा भाजपा में शामिल हुये

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। शिरोमणि अकाली दल के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। इससे अकाली दल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पंजाब में अगले साल होने वाले चुनाव को देखते हुए यह बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सिरसा ने पंजाब चुनाव से पहले पार्टी बदलने के बाद कहा, देश भर में सिख समुदाय से संबंधित कई मुद्दे हैं और इन्हें केवल सरकार ही हल कर सकती है। मैंने हमेशा इन मुद्दों को उठाया है। मैंने आज गृह मंत्री अमित शाहजी के साथ समुदाय के कुछ मुद्दों पर चर्चा की। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मंत्री ने कहा कि वह इन सभी मुद्दों को संबोधित करना चाहते हैं।

पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन से दो बार के पूर्व विधायक सिरसा केंद्रीय मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत और धर्मेंद्र प्रधान और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। सिरसा ने बुधवार को भाजपा में शामिल होने से पहले डीएसजीएमसी के जनरल हाउस के सभी सदस्यों के समक्ष अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। उन्होंने इसके अलावा डीएसजीएमसी के आगामी आंतरिक चुनाव भी न लड़ने का एलान किया।

- **भाजपा में शामिल होने से पहले सिरसा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।**
- **पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन से दो बार के पूर्व विधायक सिरसा केंद्रीय मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत और धर्मेंद्र प्रधान और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की।**

उस वक्त उन्होंने बेशक इसके पीछे निजी कारण का हवाला दिया, लेकिन शाम को उनके भाजपा में शामिल होने के बाद इस कारण का खुलासा हो गया।

उल्लेखनीय है कि, पिछले वर्ष अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की सलाह पर दिल्ली में सभी अकाली नेताओं ने भाजपा के साथ संबंध तोड़ दिए थे। यह भी कहा गया था कि अगर कोई अकाली नेता भाजपा के साथ संबंध रखता है तो उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया जाएगा। ऐसे में अब सिरसा ने अकाली दल और दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी को छोड़ कर भाजपा को तरजीह दी है।

पंजाब के चुनाव प्रभारी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, उत्तर भारत की राजनीति में सिख चेहरों में जो चेहरा दिमाग में आता है, वह सिरसा का है। भाजपा परिवार में इनका स्वागत है। पंजाब चुनाव में पार्टी को इसका लाभ होगा।

सिरसा के इस कदम से न केवल राष्ट्रीय स्तर की राजनीति, बल्कि दिल्ली की सिख राजनीति में भी हलचल है। इस पर शिअद के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं डीएसजीएमसी के महासचिव हरमीत सिंह कालका ने यूनीवार्ता से कहा, पार्टी के साथ गलत किया गया है।

यह सिरसा ही बता सकते हैं कि उन्होंने किसके दबाव में यह कदम उठाया है। जब सरकारों का हस्तक्षेप शुरू होता है तब ऐसी चीजें होती हैं। उन्होंने मेरे जरिए जनरल हाउस को इस्तीफा सौंपा है जो कानूनी रूप से मान्य करोना है, क्योंकि इस्तीफा जनरल हाउस में सौंपा जाता है, जिसे बुलाने की अभी पावर करोना है।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिसंबर को जब संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और अजय माकन जयपुर आएंगे, तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ स्थानों का जायजा लेंगे।

उसके बाद तय होगा कि यह रैली किस जगह होगी। अब यह रैली राजस्थान की राजधानी जयपुर में होने के कारण राजस्थान पर अतिरिक्त भीड़ इकट्ठी करने का भी दबाव भी आ गया है।

फोन टैपिंग मामले में गहलोत के ओ.एस.डी.को फिर तलब किया गया

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर। दिल्ली पुलिस ने फोन टैपिंग मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को पूछताछ के लिए तलब किया है।

केंद्र सरकार में जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत पर लोकेश शर्मा समेत अन्य पर फोन टैपिंग मामले में केस दर्ज किया गया था। इस मुकदमे के खिलाफ लोकेश शर्मा दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे थे। कोर्ट ने लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर 13 जनवरी तक रोक लगा दी थी।

जुलाई 2020 में सचिन पायलट खेमे ने मुख्यमंत्रीगहलोत के खिलाफ बगावत कर दी थी। इसके बाद गहलोत सरकार ने भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगाए थे। इसको लेकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का एक कथित टेप भी वायरल किया गया था। आरोप लगाया गया था कि वह कांग्रेस विधायक भंवरलाल शर्मा के साथ सौदेबाजी कर रहे हैं। हालांकि, बाद में यह मुद्दा शांत हो गया, लेकिन मार्च में भाजपा विधायक की ओर से पूछे गए एक सवाल में सरकार ने खुद माना कि उन्होंने विधिक प्रक्रिया अपनाकर कुछ खास लोगों के फोन टैप करवाए थे। इसके बाद काफी बवाल मचा और विधानसभा में भी इस पर काफी हंगामा हुआ था।

- **दिल्ली पुलिस पहले भी दो से तीन बार पूछताछ के लिए ओ.एस.डी. लोकेश शर्मा को बुला चुकी है।**
- **केंद्र सरकार में जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत पर लोकेश शर्मा समेत अन्य पर फोन टैपिंग मामले में केस दर्ज किया गया था।**

अमेरिका में गोलीबारी में तीन छात्रों की मौत

वाशिंगटन, 1 दिसंबर (वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका के मिशिगन में डेट्रायट के पास एक हाई स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना में तीन छात्रों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। ओकलैंड काउंटी अंडरशेरिफ माइकल मैककेबे ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण की बात है कि मुझे यह रिपोर्ट देनी पड़ रही है कि अभी हमारे पास तीन मृतक हैं, ये सभी छात्र हैं।

उन्होंने बताया कि गोलीबारी करने वाला व्यक्ति हाई स्कूल का 15 वर्षीय छात्र है और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

गोलीबारी करने के पीछे का मकसद अभी पता करोना चल पाया है।

ग्यारह देशों से आये यात्रियों में छह कोविड संक्रमित पाये गये

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर (वार्ता)। सरकार ने कहा है कि कोविड के मद्देनजर जोखिम वाले देशों से आये 3476 यात्रियों में से छह कोविड संक्रमित पायें गये हैं और उनके नमूने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिये भेजे गये है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि ओमिक्रोन के मद्देनजर सरकार पूरी सावधानी बरत रही है और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की कड़ी निगरानी की जा रही है। कोविड के मद्देनजर जोखिम वाले देशों से 11 उड़ानें भारत आयी हैं और इनमें 3476 लोग आयें हैं। इनमें छह व्यक्ति कोविड संक्रमित पाये गये हैं। इनके नमूने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिये भेज दिये गये हैं। करोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से निपटने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत कंपनी ने कोविशील्ड का बूस्टर डोज बनाने और करोना के नए वैरिएंट से आपात स्थिति में निपटने के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से मंजूरी मांगी है। यह जानकारी सीरम इंस्टीट्यूट के अधिकारियों ने दी।

सीरम इंस्टीट्यूट में गवर्नमेंट एंड रेगुलेटरी अफेयर्स के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने बताया कि इस संबंध में ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को आवेदन पत्र भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि यूके मेडिसिन एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी ने एस्ट्राजेनेका की बूस्टर डोज को पहले ही मंजूरी दे दी है। प्रकाश सिंह ने बताया कि दुनिया लगातार करोना महामारी से जूझ रही है। ऐसे में कई देशों ने कोविड-19 वैक्सीन से निपटने के लिए बूस्टर डोज लगानी शुरू कर दी है।

- **कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट की आशंका के चलते इन यात्रियों के सैम्पल्स जीनोम सीक्वेंसिंग जांच के लिये भेजे गये।**
- **वहीं दूसरी ओर एक राहत भरी खबर है कि, सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने नये ओमिक्रॉन वैरिएंट के खिलाफ कारगर कोविशील्ड वैक्सीन की नई बूस्टर डोज़ तैयार करने के लिए ड्रग कन्ट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से इजाजत मांगी है।**

कश्मीर में मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 1 दिसंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक स्थानीय कमांडर और एक विदेशी आतंकवादी मारा गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में मारा गया जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर संगठन के लिए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने का काम भी करता था।

पुलिस ने जैश कमांडर यासिर पारे और विदेशी आतंकवादी फुरकान के मारे जाने को एक 'बड़ी सफलता' बताया है। उन्होंने बताया कि पुलवामा के कसबयार गांव में उस समय मुठभेड़ शुरू हुई जब सुरक्षा बलों की एक टीम ने आतंकवादियों की उपस्थिति की खुफिया सूचना मिलने के बाद इलाके में तलाश अभियान शुरू किया।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 101 रु. महंगा हुआ

इस बढ़ोतरी के बाद 19 किलो. का कमर्शियल गैस सिलेंडर 2101 रु. का हो गया है

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में 101 रुपये की बढोतरी की गयी है। अब 19 किलोग्राम वाले इस सिलेंडर की कीमत 2101 रुपये हो गयी है।

रसोई गैस सिलेंडर को दो श्रेणी में रखा गया है। पहला सब्सिडी प्राप्त और दूसरे गैर सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर को इन दोनों श्रेणी से बाहर रखा गया है और तेल विपणन कंपनियां इसकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुरूप तय करती है।

तेल विपणन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के अनुसार राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत अभी 2101 रुपये है। कांग्रेस ने कामर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 101 रुपए की बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर आज तीखा हमला किया और कहा कि यह सरकार बराबर जनता की जेब काटने में लगी है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार इस पर नियंत्रण करने के लिए कोई कदम करोना उठा रही है। उन्होंने तंज किया कि महंगाई से लोगों को राहत देने में नाकाम मोदी सरकार के जुमले जरूर कम हो गये हैं।

गांधी ने कहा कि कामर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 100 रुपये से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जुमलेबाज भाजपा सरकार जब से सत्ता में आई है, तब से महंगाई बेलगाम होती जा रही है। उन्होंने ट्वीट किया, जैसे-जैसे महंगाई बढ़ी, जुमलों के भाव गिर गए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, अब कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 101 रुपए महँगा। लगता है, शादी के सीज़न में भाजपा सरकार लोगों की ज़िंदगी में रोज़ महंगाई का तड़का लगा रही है।

- **कांग्रेस ने इस मामले कहा कि, यह सरकार बराबर जनता की जेब काटने में लगी है।**
- **कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि, महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार इस पर नियंत्रण करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने तंज किया कि, महंगाई से लोगों को राहत देने में नाकामी के बाद मोदी सरकार के जुमले जरूर कम हो गये हैं।**

'ज्योतिबा फुले को भारत रत्न'

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में आरपीआई के लिए आठ से 10 सीटों की मांग की है।

आठवले ने संसद भवन में बुधवार को अमित शाह से भेंट की। इसके अलावा आठवले ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं अन्नाभाऊ साठे को मरणोपरांत 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की मांग भी की। अन्नाभाऊ साठे मराठी साहित्य व कला-जगत के शिखर पुरुष, समाज सुधारक एवं क्रांतिकारी कवि थे। वहीं महात्मा ज्योतिबा फुले भी प्रसिद्ध समाज सुधारक, समाजसेवी, लेखक व दार्शनिक थे। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में दलितों के अधिकारों व उन्हें न्याय दिलाने के लिए आरपीआई निरन्तर संघर्ष कर रही है।

निर्यात में वृद्धि

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर (वार्ता)। देश का वाणिज्यिक निर्यात इस वर्ष नवंबर महीने में सालाना आधार पर 26.49 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 29.88 अरब डालर रहा।

पिछले वर्ष इसी दौरान निर्यात 23.62 अरब डालर और नवंबर 2019 में 15.93 अरब डालर के बराबर था। नवंबर 1919 की तुलना में नवंबर 2021 में निर्यात वृद्धि 15.93 प्रतिशत है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीने अप्रैल-नवंबर 2021 में कुल वाणिज्यिक निर्याता 262.46 अरब डालर रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 174.15 अरब डालर की तुलना में 50.71 प्रतिशत अधिक है।

अप्रैल-नवंबर 2019 भारत का वाणिज्यिक निर्यात इस अवधि में 211.17 अरब डालर था। उसकी तुलना में इस वर्ष निर्यात वृद्धि 24.29 प्रतिशत है।

इस वर्ष नवंबर में आयात सालाना आधार पर 57.18 प्रतिशत बढकर 53.15 अरब डलर रहा। पिछले साल नवंबर में आयात 33.81 डालर था। इसी तरह इस वर्ष अप्रैल-नवंबर के आठ माह में आयात 384.44 अरब डालर रहा जो पिछले वर्ष के 219.19 अरब डालर की तुलना में 75.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

नवंबर में व्यापार घाटा 23.27 अरब डालर रहा जबकि अप्रैल-नवंबर 2021 की अवधि में व्यापार घाटा 121.98 अरब डालर रहा।

- **नवम्बर में भारत के निर्यात में 26.49 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई।**

'हम भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विपक्ष खड़ा करने के प्रयास में जुटे हैं'

शरद पवार ने ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद यह बात कही

मुंबई, 1 दिसम्बर (वार्ता)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ वैकल्पिक विपक्ष देने का प्रयास किया जायेगा।

पवार के आवास सिल्वर ओक में बनर्जी और पवार के बीच आज अपराह्न लगभग एक घंटे तक बैठक चली और उसके बाद दोनों नेताओं ने संवाददाताओं को यह संयुक्त बयान दिया। पवार ने कहा कि बनर्जी के साथ उनके लंबे समय राजनीतिक संबंध रहे हैं।

बनर्जी आधिकारिक दौरे पर मुंबई आयी हैं और आज दोपहर बाद उन्होंने वाई बी चव्हाण केंद्र में शीर्ष उद्योगपतियों के साथ बैठक की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में निवेश करने के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित किया।

उन्होंने कहा, देश की मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमने राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की, हम वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ने का वैकल्पिक विकल्प कैसे दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीतिक पार्टी भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेगी, वे उसका समर्थन करेंगे। इस अवसर पर बनर्जी ने कहा कि वह देश भर में दौरा कर रही हैं ताकि भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए एक मजबूत विपक्ष को एक मंच पर लाया जा सके। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के बारे में उन्होंने कहा कि संप्रग कहां है, संप्रग करोना है, इसलिए हम विपक्षी दलों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं, भाजपा के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति ऐसा करोना कर सकता, इसलिए हमें एक साथ आने की जरूरत है। बैठक में बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, प्रशांत किशोर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता जितेन्द्र अवाड और नवाब मलिक भी मौजूद थे।

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को कहा कि भाजपा देश के संविधान और लोकतंत्र के लिए खतरा है, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी लगातार भाजपा के तानाशाही रवैये के खिलाफ लड़ रही है। उन्होंने कहा कि देश व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ज्यादा महत्वपूर्ण है और भाजपा के खिलाफ अहंकार को अलग रखकर एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नाना पटोले ने कहा कि भाजपा सत्ता, धन और सभी स्वायत्त संस्थानों का दुरुपयोग कर देश के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के तानाशाही रवैये के खिलाफ कांग्रेस लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे हैं। गांधी ने भूमि अधिग्रहण कानून और तीन काले कृषि कानूनों के मुद्दे पर किसानों के साथ मजबूती से खड़े होकर मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

- **शरद पवार ने कहा, देश की मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमने राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की, हम वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ने का वैकल्पिक विकल्प कैसे दे सकते हैं।**
- **उन्होंने कहा कि, जो भी राजनीतिक पार्टी भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेगी, वे उसका समर्थन करेंगे।**
- **पवार ने कहा कि, ममता बनर्जी के साथ उनके लंबे समय से राजनीतिक संबंध रहे हैं।**

मुआवजा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखती है। मंत्री की प्रतिक्रिया में कहा गया कि मंत्रालय के पास मौतों का कोई रिकॉर्ड नहीं है, अतः मुआवजा दिए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता। आंदोलन समाप्त करने के लिए मुआवजा देने की किसानों की एक मांग थी और कहा गया था कि मांगे मानने के बाद ही आंदोलन समाप्त किया जाएगा। दिल्ली की सीमाओं पर विरोध-प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार वर्ष भर चले आंदोलन में करीब 700 किसानों की मौत हुई। तिवारी अपने प्रश्न में यह जानना चाहते थे कि क्या प्रत्येक मृत किसान के परिवार को 5 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

यूपी पेपर लीक मामले में परीक्षा नियंत्रक सहित तीन लोग गिरफ्तार

लखनऊ, 1 दिसम्बर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में टीचर्स एलिजबिलिटी टैस्ट - 2021 (यूपी-टी.ई.टी.) का पेपर लीक होने के बाद विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, सचिव संजय कुमार उपाध्याय सहित तीन लोगों को इस मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि, इस मामले में अब तक कुल 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में किसी भी संदिग्ध को छोड़ा नही जाएगा।

एसटीएफ के अपर महानिदेशक अमिताभ यश ने बताया कि पैसे लेकर पेपर आउट कराने वाले गिरोह के सदस्य टप्पल निवासी गौरव कुमार को भी इस मामले में उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ से एसटीएफ ने गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा यूपी एसटीएफ ने प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी आर.एस.एम. फिनसर्व लिमिटेड के निदेशक राय अनूप प्रसाद को भी गिरफ्तार किया है।

इस एजेंसी को प्रश्न पत्र छापने का वर्क आर्डर संजय उपाध्याय ने जारी किया था। प्रश्न पत्र की छपाई के दौरान गोपनीयता एवं सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गयी, जिसकी वजह से पेपर आउट हो गया और परीक्षा रद्द करनी पड़ी।

उल्लेखनीय है कि, बीते माह 28 नवंबर को उत्तरप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) दो पालियों में आयोजित की गई थी। लेकिन परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रदेश के गाजियाबाद, मथुरा और बुलंदशहर से सोशल मीडिया पर पेपर आउट हो गया। जिसके कारण परीक्षा रद्द कर दी गई। अभ्यर्थियों से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी गौरव कुमार ने कई अभ्यर्थियों से दो-दो लाख रुपये लेकर टीईटी का पेपर बेचकर मोटी रकम वसूला था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले के सख्ती से जांच के आदेश दिए और पूरे मामले को एसटीएफ को सौंप दिया था।

- **ए.डी.जी. कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि, इस मामले में अब तक कुल 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।**
- **उल्लेखनीय है कि, गत 28 नवंबर को उत्तरप्रदेश टी.ई.टी.परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रदेश के गाजियाबाद, मथुरा और बुलंदशहर से सोशल मीडिया पर पेपर आउट हो गया। जिसके कारण परीक्षा रद्द कर दी गई।**

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908